॥ श्री गणेशाय नमः ॥

जन्मपत्रिका

Ajeet kanojia
15/02/1990 04:02 PM
Mumbai, Maharashtra, India

निर्मित

FORTUNE TELLER

सामान्य कुंडली विवरण

सामान्य विवरण

जन्म दिनांक	15/02/1990
जन्म समय	16:02
जन्म स्थान	Mumbai, Maharashtra, India
अक्षांश	19 N 04
देशांतर	72 E 52
समय क्षेत्र	+05:30
अयनांश	23:43:09
सूर्योदय	7:7:1
सूर्यास्त	18:38:28

घात चक्र

महीना	आषाढ़
तिथि	2,7,12
दिन	सोमवार
नक्षत्र	स्वाति
योग	परिघ
करण	कौलव
प्रहर	3
चंद्र	9

पंचांग विवरण

तिथि	कृष्ण षष्ठी
योग	दंड
नक्षत्र	स्वाति
करण	गर

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
योनि	महिषा
गण	देव
नाड़ी	अंत्य
जन्म राशि	तुला
राशि स्वामी	शुक्र
नक्षत्र	स्वाति
नक्षत्र स्वामी	राहु
चरण	1
युञ्जा	मध्य
तत्त्व	वायु
नामाक्षर	रु
पाया	चांदी
लग्न	मिथुन
लग्न स्वामी	बुध

fortune-teller.in

ग्रह स्थिति

ग्रह	वक्री	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	भाव
सूर्य	--	कुम्भ	02:45:27	शनि	धनिष्ठा	मंगल	नौवां
चन्द्र	--	तुला	07:15:10	शुक्र	स्वाति	राहु	पाँचवा
मंगल	--	धनु	18:28:58	गुरु	पूर्व षाढ़ा	शुक्र	सातवाँ
बुध	--	मकर	10:57:47	शनि	श्रावण	चन्द्र	आठवाँ
गुरु	हाँ	मिथुन	07:13:54	बुध	आर्द्रा	राहु	पहला
शुक्र	--	धनु	28:09:46	गुरु	उत्तर षाढ़ा	सूर्य	सातवाँ
शनि	--	धनु	27:03:53	गुरु	उत्तर षाढ़ा	सूर्य	सातवाँ
राहु	हाँ	मकर	22:19:58	शनि	श्रावण	चन्द्र	आठवाँ
केतु	हाँ	कर्क	22:19:58	चन्द्र	अश्लेषा	बुध	दूसरा
लग्न	--	मिथुन	28:25:59	बुध	पुनर्वसु	गुरु	पहला

सूर्य
कुम्भ
धनिष्ठा

हानिप्रद

चन्द्र
तुला
स्वाति

सम

मंगल
धनु
पूर्व षाढ़ा

हानिप्रद

बुध
मकर
श्रावण

सम

गुरु
मिथुन
आर्द्रा

हानिप्रद

शुक्र
धनु
उत्तर षाढ़ा

योगकारक

शनि
धनु
उत्तर षाढ़ा

राहु
मकर
श्रावण

--

केतु
कर्क
अश्लेषा

--

fortune-teller.in

जन्म कुंडली

लग्न कुंडली

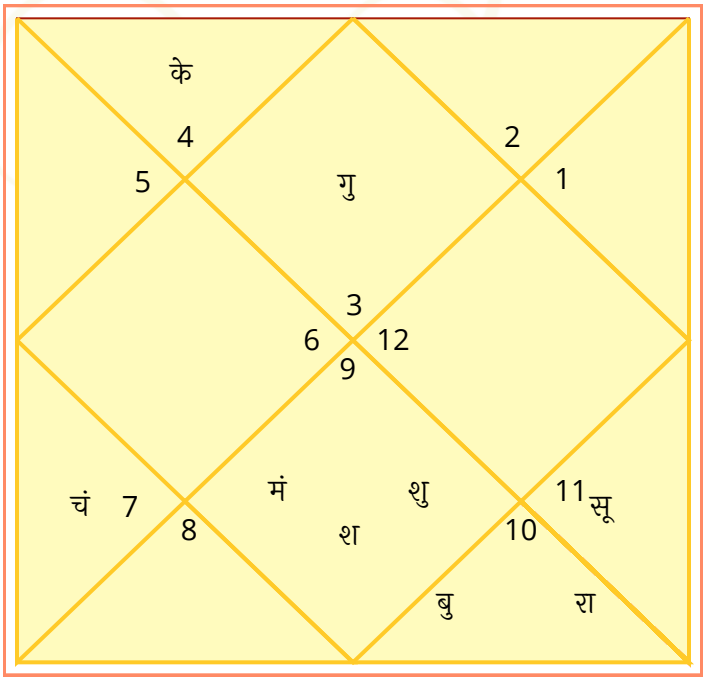

व्यक्ति के जन्म के समय आकाश में पूर्वी क्षितिज जो राशि उदित होती है, उसे ही उसके लग्न की संज्ञा दी जाती है। जन्म कुण्डली में 12 भाव होते है। इन 12 भावों में से प्रथम भाव को लग्न कहा जाता है। कुण्डली में अन्य सभी भावों की तुलना में लग्न को सबसे अधिक महत्व पूर्ण माना जाता है। लग्न भाव बालक के स्वभाव, रुचि, विशेषताओ और चरित्र के गुणों को प्रकट करता है।

चंद्र कुंडली

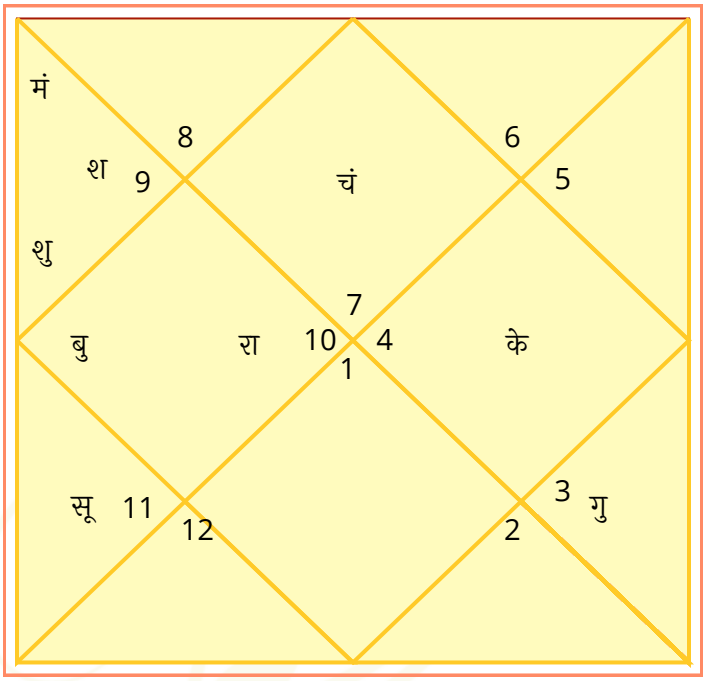

लग्न कुंडली के बाद जिस राशि में चंद्रमा होता है उसे लग्न मानकर एक और कुंडली का निर्माण होता है जो चन्द्र कुंडली कहलाती है। चंद्र कुंडली का भी फलित ज्योतिष में लग्न कुंडली जितना ही महत्त्व है। लग्न शरीर, तो चंद्र मन का कारक है और वे एक दूसरे के पूरक हैं।

नवमांश कुंडली

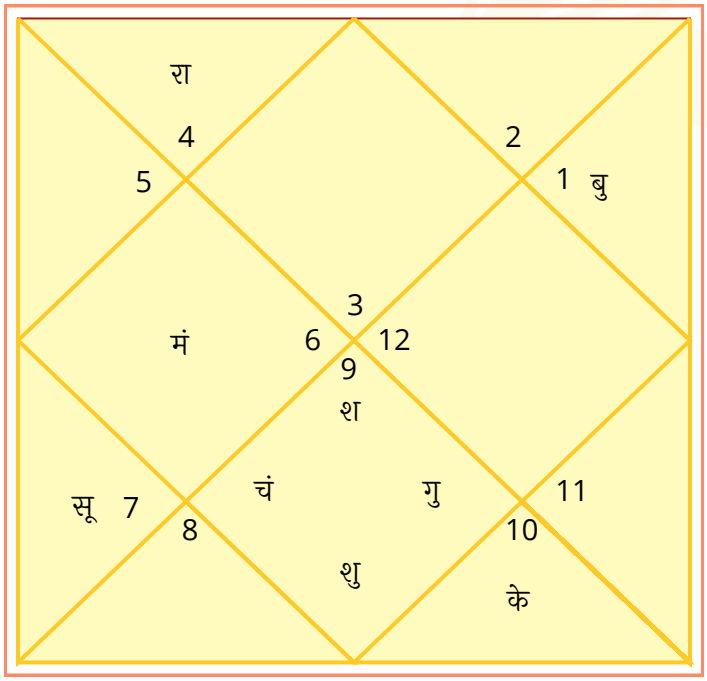

नवांश कुण्डली को नौ भागों में बांटा जाता है, जिसके आधार पर जन्म कुण्डली का विवेचन होता है। नवांश कुण्डली में यदि ग्रह अच्छी स्थिति या उच्च के हों तो वर्गोत्तम की स्थित उत्पन्न होती है और व्यक्ति शारीरिक व आत्मिक रुप से स्वस्थ हो शुभ दायक स्थिति को पाता है।

fortune-teller.in

भाव सन्धि

लग्न - 28:25:59 दशम भाव मध्य - 23:41:32

भाव	जन्म राशि	भाव मध्य	जन्म राशि	भाव संधि
1	मिथुन	28:25:59	कर्क	12:38:34
2	कर्क	26:51:10	सिंह	11:03:45
3	सिंह	25:16:21	कन्या	09:28:56
4	कन्या	23:41:32	तुला	09:28:56
5	तुला	25:16:21	वृश्चिक	11:03:45
6	वृश्चिक	26:51:10	धनु	12:38:34
7	धनु	28:25:59	मकर	12:38:34
8	मकर	26:51:10	कुम्भ	11:03:45
9	कुम्भ	25:16:21	मीन	09:28:56
10	मीन	23:41:32	मेष	09:28:56
11	मेष	25:16:21	वृष	11:03:45
12	वृष	26:51:10	मिथुन	12:38:34

चलित कुंडली

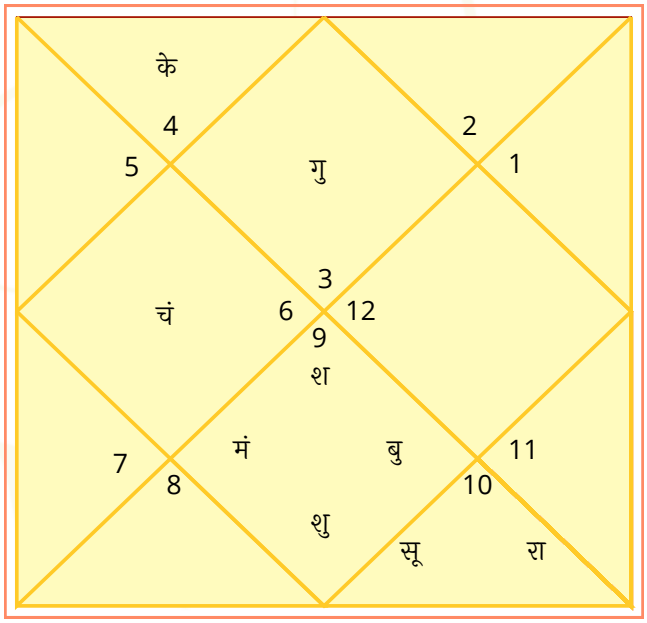

लग्न कुंडली का शोधन चलित कुंडली है, अंतर सिर्फ इतना है कि लग्न कुंडली यह दर्शाती है कि जन्म के समय क्या लग्न है और सभी ग्रह किस राशि में विचरण कर रहे हैं और चलित से यह स्पष्ट होता है कि जन्म समय किस भाव में कौन सी राशि का प्रभाव है और किस भाव पर कौन सा ग्रह प्रभाव डाल रहा है।

fortune-teller.in

वर्ग कुंडली

सूर्य कुंडली

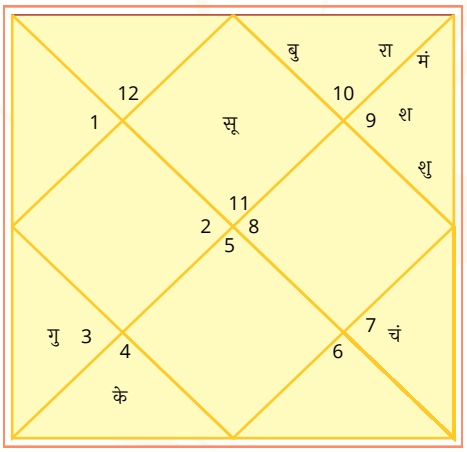

शरीर, स्वास्थ्य, रचना

होरा कुंडली

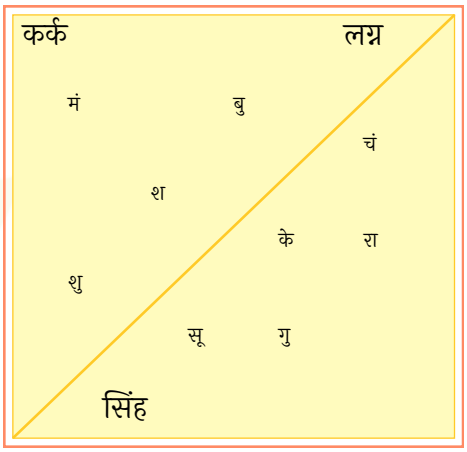

वित्त , धन -सम्पदा, समृद्धि

द्रेष्काण कुंडली

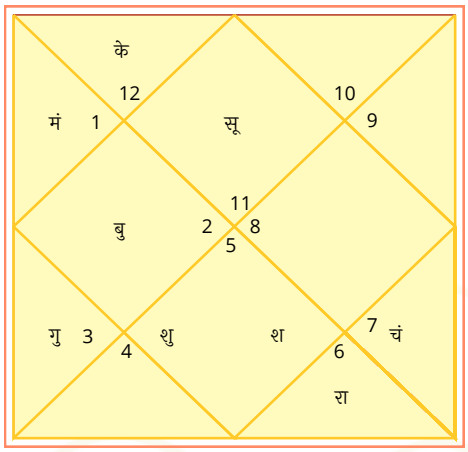

भाई बहन

चतुर्थांश कुंडली

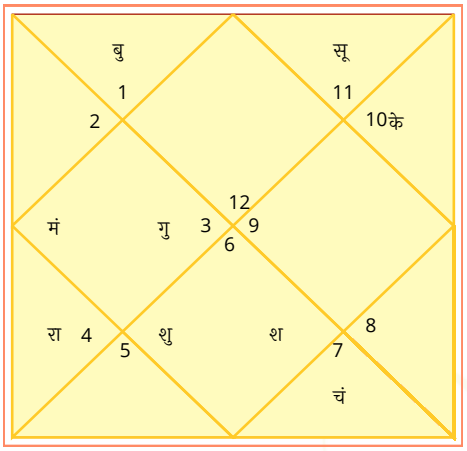

भाग्य

पंचमांश कुंडली

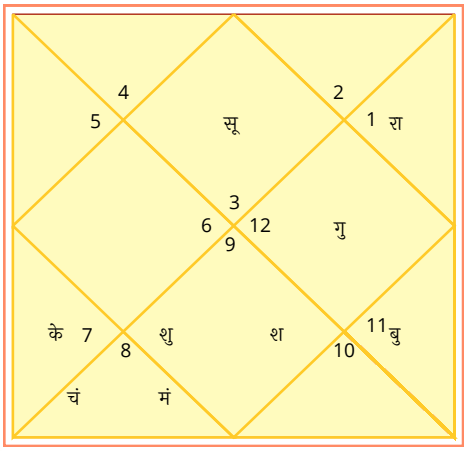

आध्यात्मिकता

सप्तमांश कुंडली

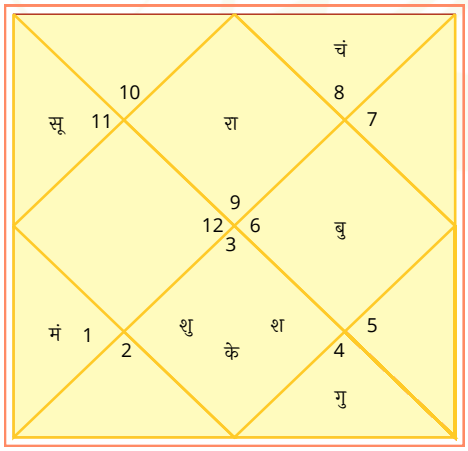

सन्तान

अष्टमांश कुंडली

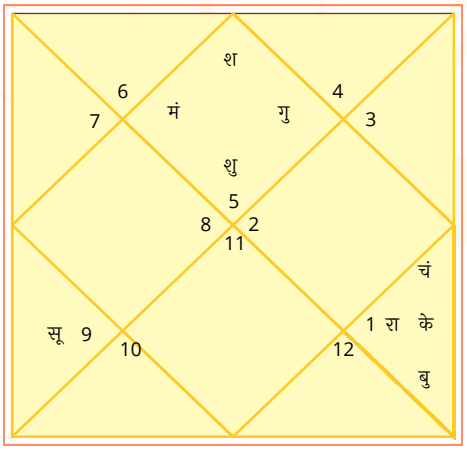

आयु

दशमांश कुंडली

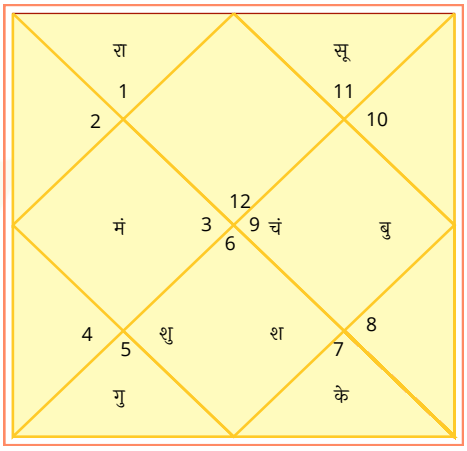

व्यवसाय, जीवनयापन

द्वादशांश कुंडली

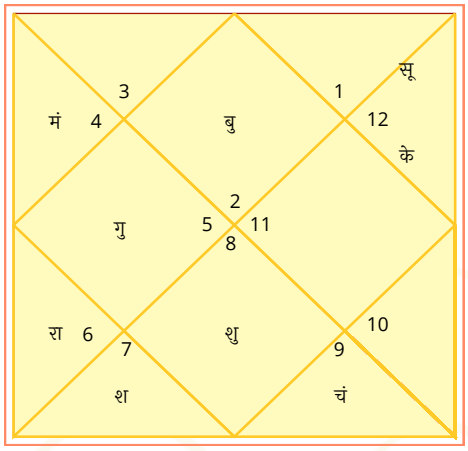

माता-पिता, पैतृक सुख

fortune-teller.in

वर्ग कुंडली

षोडशांश कुंडली

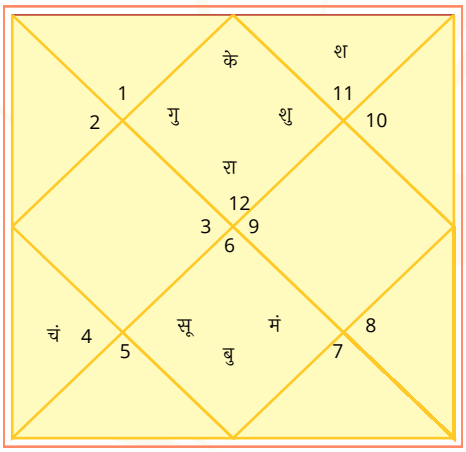

सुख, दुख, वाहन

विशमांश कुंडली

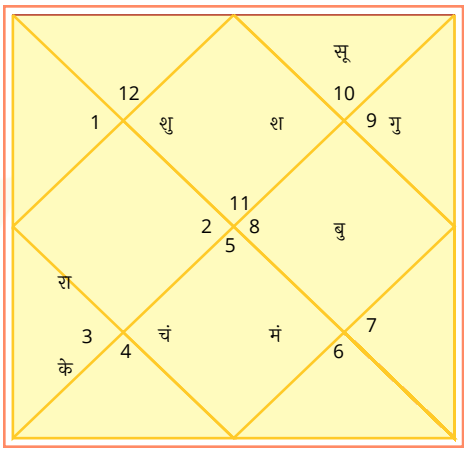

आध्यात्मिक प्रगति एवं पूजा पाठ

चतुर्विंशांश कुंडली

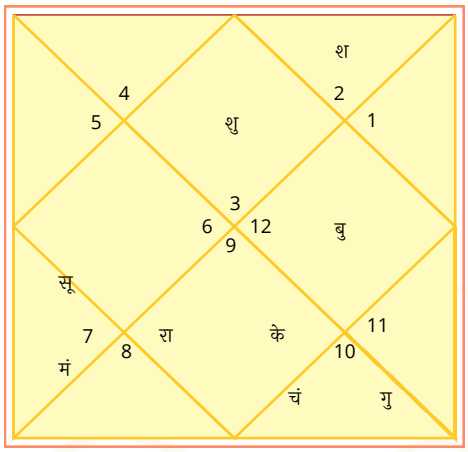

शैक्षणिक उपलब्धि, शिक्षा

भांष कुंडली

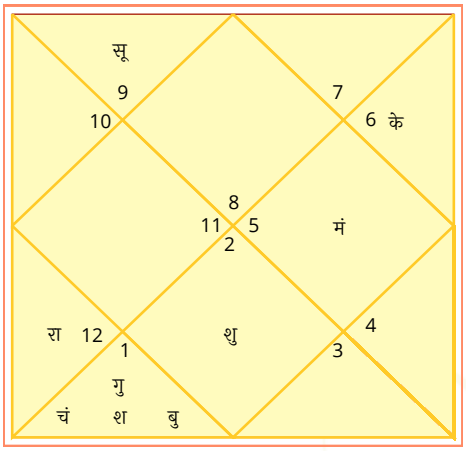

शारीरिक शक्ति, सहनशक्ति

त्रिषमांष कुंडली

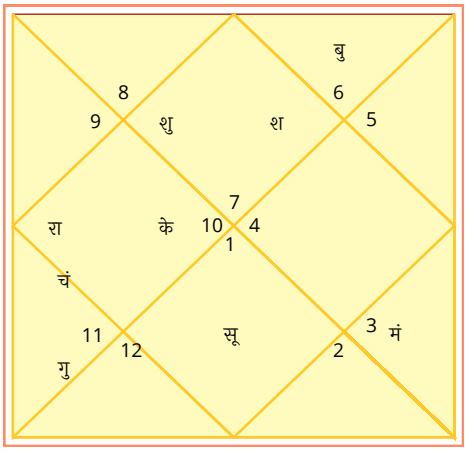

बुराई, विपत्तियां

खवेदांश कुंडली

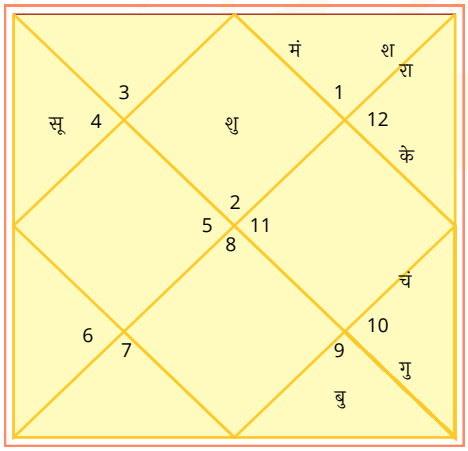

शुभ और अशुभ प्रभाव

अक्षवेदांश कुंडली

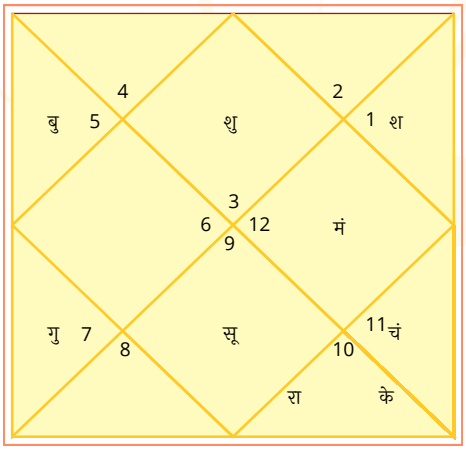

जातक का चरित्र और आचरण

षष्टयांश कुंडली

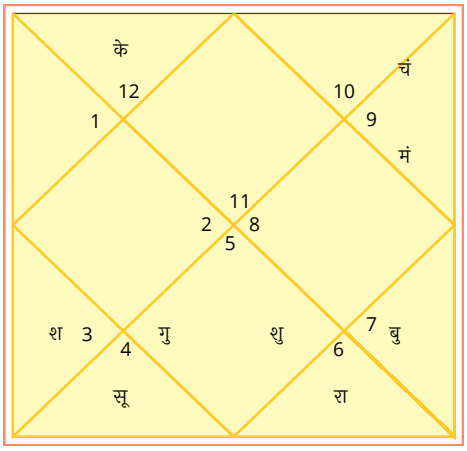

सामान्य खुशियाँ

fortune-teller.in

पंचधा मैत्री चक्र

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	--	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	--	सम	मित्र	सम	सम	सम
मंगल	मित्र	मित्र	--	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	मित्र	शत्रु	सम	--	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	--	शत्रु	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	--	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	--

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	--	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
चंद्र	शत्रु	--	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
मंगल	मित्र	मित्र	--	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
बुध	मित्र	मित्र	मित्र	--	शत्रु	मित्र	मित्र
गुरु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	--	शत्रु	शत्रु
शुक्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	--	शत्रु
शनि	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	--

fortune-teller.in

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	--	सम	अतिमित्र	मित्र	सम	सम	सम
चंद्र	सम	--	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
मंगल	अतिमित्र	अतिमित्र	--	सम	सम	शत्रु	शत्रु
बुध	अतिमित्र	सम	मित्र	--	शत्रु	अतिमित्र	मित्र
गुरु	सम	सम	सम	अतिशत्रु	--	अतिशत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	अतिमित्र	शत्रु	--	सम
शनि	सम	सम	अतिशत्रु	अतिमित्र	शत्रु	सम	--

fortune-teller.in

कृष्णमूर्ति पद्धति ग्रह स्थिति

ग्रह	वक्री	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	भाव
सूर्य	--	कुम्भ	302:45:27	शनि	9
चन्द्र	--	तुला	187:15:10	शुक्र	5
मंगल	--	धनु	258:28:58	गुरु	7
बुध	--	मकर	280:57:47	शनि	8
गुरु	हाँ	मिथुन	67:13:54	बुध	1
शुक्र	--	धनु	268:09:46	गुरु	7
शनि	--	धनु	267:03:53	गुरु	7
राहु	हाँ	मकर	292:19:58	शनि	8
केतु	हाँ	कर्क	112:19:58	चन्द्र	2
लग्न	--	मिथुन	88:25:59	बुध	1

ग्रह	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	चरण	सब	सब-सब
सूर्य	धनिष्ठा	मंगल	3	शुक्र	शुक्र
चन्द्र	स्वाति	राहु	1	राहु	शनि
मंगल	पूर्व षाढ़ा	शुक्र	2	राहु	गुरु
बुध	श्रावण	चन्द्र	1	चन्द्र	शुक्र
गुरु	आर्द्रा	राहु	1	राहु	गुरु
शुक्र	उत्तर षाढ़ा	सूर्य	1	चन्द्र	केतु
शनि	उत्तर षाढ़ा	सूर्य	1	सूर्य	शनि
राहु	श्रावण	चन्द्र	4	शुक्र	बुध
केतु	अश्लेषा	बुध	2	चन्द्र	मंगल
लग्न	पुनर्वसु	गुरु	3	शुक्र	बुध

fortune-teller.in

कृष्णमूर्ति पद्धति भाव संधि और कुंडली

भाव	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	सब	सब-सब
1	कर्क	112:09:08	चन्द्र	अश्लेषा	बुध	सूर्य	शुक्र
2	सिंह	137:18:32	सूर्य	पूर्व फाल्गुनी	शुक्र	चन्द्र	सूर्य
3	कन्या	165:33:43	बुध	हस्त	चन्द्र	गुरु	राहु
4	तुला	197:24:40	शुक्र	स्वाति	राहु	शुक्र	केतु
5	वृश्चिक	230:37:41	मंगल	ज्येष्ठा	बुध	शुक्र	गुरु
6	धनु	262:24:50	गुरु	पूर्व षाढ़ा	शुक्र	शनि	बुध
7	मकर	292:09:08	शनि	श्रावण	चन्द्र	शुक्र	शनि
8	कुम्भ	317:18:32	शनि	शतभिसा	राहु	शुक्र	बुध
9	मीन	345:33:43	गुरु	उत्तर भाद्रपद	शनि	गुरु	बुध
10	मेष	17:24:40	मंगल	भरणी	शुक्र	मंगल	राहु
11	वृष	50:37:41	शुक्र	रोहिणी	चन्द्र	शुक्र	शुक्र
12	मिथुन	82:24:50	बुध	पुनर्वसु	गुरु	शनि	केतु

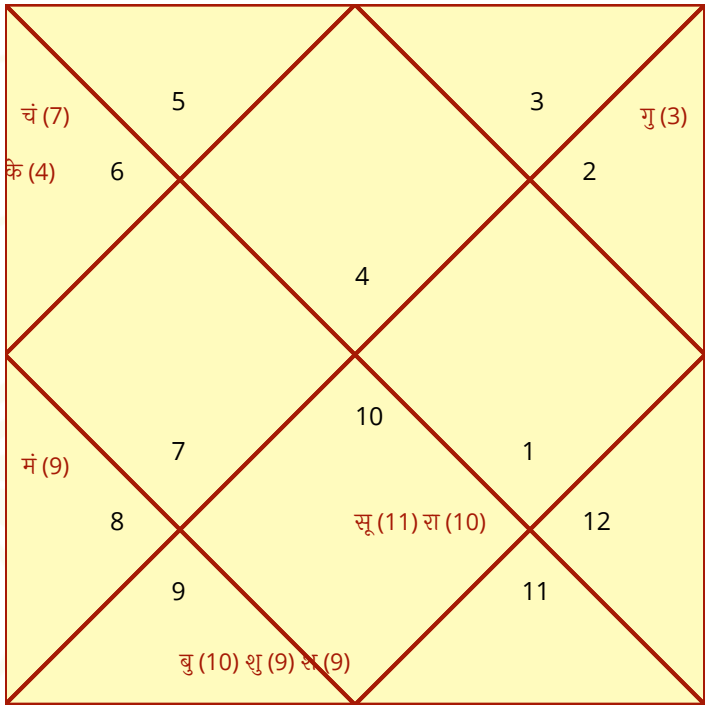

fortune-teller.in

सूर्य भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	0	0	0	0	1	0	0	1	2
वृषभ	1	0	0	1	0	1	0	1	4
मिथुन	0	0	1	1	0	1	1	0	4
कर्क	0	1	1	0	0	0	1	0	3
सिंह	1	1	1	0	0	0	1	1	5
कन्या	1	0	1	1	0	0	1	1	5
तुला	1	0	1	1	1	0	1	0	5
वृश्चिक	1	0	0	1	1	1	0	1	5
धनु	1	1	1	1	0	0	1	0	5
मकर	0	0	1	0	0	0	1	0	2
कुंभ	1	0	0	0	1	0	0	0	2
मीन	1	1	1	1	0	0	1	1	6

अभिप्राय

पिता

व्यक्तिगत प्रभाव

राजकीय कृपा

सूचक

शुभ

अशुभ

मिश्रित

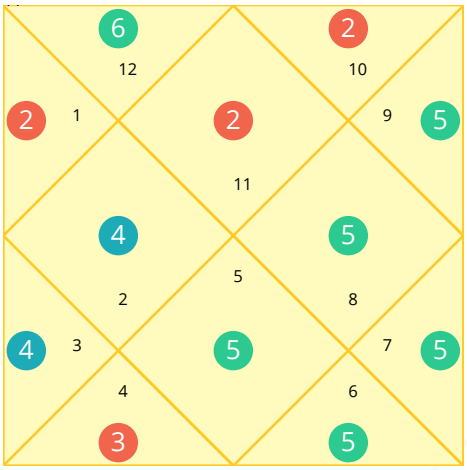

fortune-teller.in

चंद्र भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	1	1	1	1	1	1	1	1	8
वृषभ	0	0	1	1	1	0	1	0	4
मिथुन	0	0	0	0	1	1	0	0	2
कर्क	1	1	0	1	0	0	0	0	3
सिंह	1	1	1	1	0	1	0	1	6
कन्या	1	0	1	0	1	1	0	0	4
तुला	0	1	1	1	0	1	1	0	5
वृश्चिक	1	0	0	1	0	0	0	1	3
धनु	1	1	0	0	1	0	0	0	3
मकर	0	0	1	1	1	0	0	0	3
कुंभ	0	0	1	0	0	1	1	0	3
मीन	0	1	0	1	1	1	0	1	5

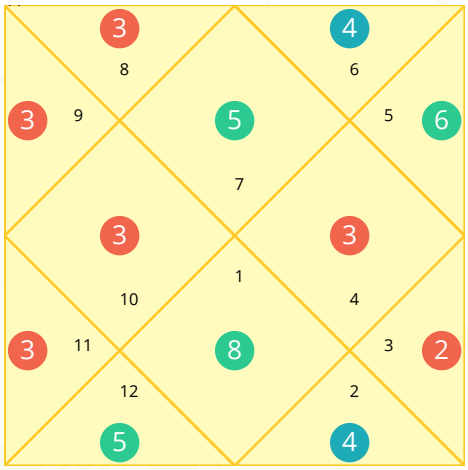

अभिप्राय

माता | मन | भावना | बुद्धि

सूचक

शुभ

अशुभ

मिश्रित

fortune-teller.in

मंगल भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	1	0	0	0	1	0	0	1	3
वृषभ	0	0	0	1	1	1	0	0	3
मिथुन	1	0	1	1	0	0	1	1	5
कर्क	1	0	1	0	0	1	1	0	4
सिंह	0	1	0	0	0	0	1	1	3
कन्या	0	0	1	0	0	0	1	0	2
तुला	0	0	1	0	0	1	1	0	3
वृश्चिक	1	0	0	1	1	1	0	1	5
धनु	1	1	1	0	0	0	1	0	4
मकर	0	0	1	0	0	0	0	0	1
कुंभ	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मीन	0	1	1	1	1	0	1	1	6

अभिप्राय

भाई-बहन | भूमि-संपत्ति | दुर्घटना | विवाद

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

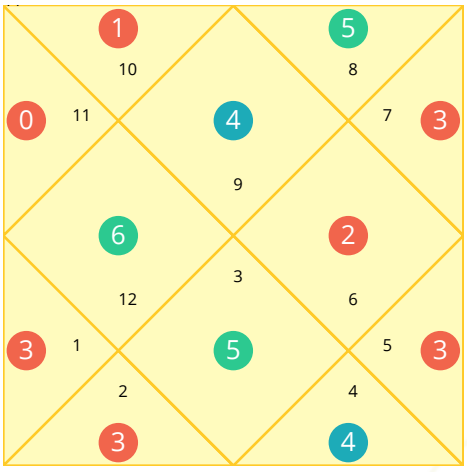

fortune-teller.in

बुध भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	0	0	0	0	1	1	0	1	3
वृषभ	0	1	0	1	1	0	0	0	3
मिथुन	1	0	1	1	0	0	1	1	5
कर्क	1	1	1	0	0	1	1	1	6
सिंह	0	1	1	0	0	1	1	0	4
कन्या	0	0	1	1	0	0	1	1	4
तुला	1	0	1	1	0	1	1	0	5
वृश्चिक	0	1	0	1	1	0	0	1	4
धनु	1	0	1	1	0	1	1	0	5
मकर	1	1	1	1	1	1	1	1	8
कुंभ	0	0	0	0	0	1	0	0	1
मीन	0	1	1	1	0	1	1	1	6

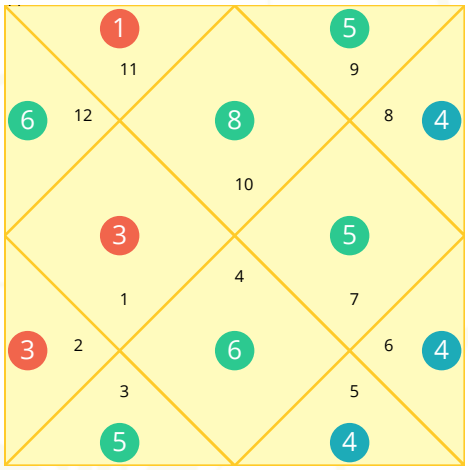

अभिप्राय

रिश्तेदार | वक्तृता | विवेकबुद्धि | शिक्षा

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

fortune-teller.in

गुरु भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	1	1	0	1	1	1	1	1	7
वृषभ	1	0	0	1	0	1	1	0	4
मिथुन	0	1	1	1	1	0	0	1	5
कर्क	0	0	1	0	1	0	0	1	3
सिंह	1	1	0	0	1	1	0	0	4
कन्या	1	0	1	1	1	1	0	1	6
तुला	1	0	1	1	0	1	0	1	5
वृश्चिक	1	1	0	1	0	0	1	1	5
धनु	1	0	1	0	1	0	0	1	4
मकर	0	0	1	1	1	1	0	0	4
कुंभ	1	1	0	1	0	0	1	1	5
मीन	1	0	1	0	1	0	0	1	4

अभिप्राय

संतान | सम्मान | धार्मिक कर्म | सीखना | भाग्य

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

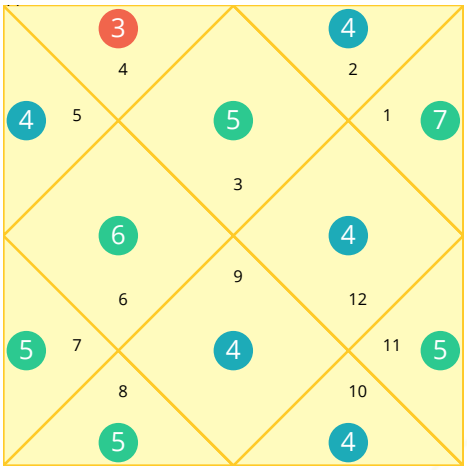

fortune-teller.in

शुक्र भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	0	0	1	0	1	1	1	1	5
वृषभ	0	1	1	1	0	0	0	0	3
मिथुन	0	1	0	1	0	0	0	1	3
कर्क	0	0	0	0	0	1	1	1	3
सिंह	0	1	1	0	0	1	1	1	5
कन्या	1	1	0	1	0	1	1	1	6
तुला	0	1	1	0	1	1	1	1	6
वृश्चिक	0	1	1	1	0	0	0	0	3
धनु	1	1	0	0	0	1	0	0	3
मकर	1	1	0	0	1	1	0	1	5
कुंभ	0	1	1	0	1	1	1	1	6
मीन	0	0	0	1	1	1	1	0	4

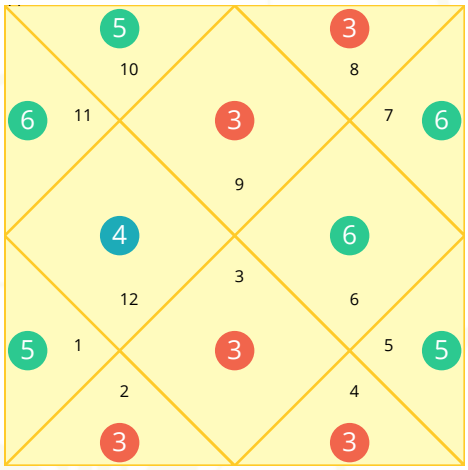

अभिप्राय

पति या पत्नी | विवाह | वाहन | आभूषण

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

fortune-teller.in

शनि भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	0	0	1	0	1	0	1	1	4
वृषभ	1	0	1	0	1	1	1	0	5
मिथुन	0	0	0	1	0	0	0	1	2
कर्क	0	0	0	0	0	0	0	0	0
सिंह	1	1	0	1	0	0	0	1	4
कन्या	1	0	1	1	0	0	0	1	4
तुला	0	0	1	1	1	1	1	0	5
वृश्चिक	1	0	1	1	1	1	0	1	6
धनु	1	1	0	1	0	0	0	0	3
मकर	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुंभ	1	0	1	0	0	0	1	0	3
मीन	1	1	0	0	0	0	0	1	3

अभिप्राय

कर्मचारी | जीविका | कष्ट व शोक

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

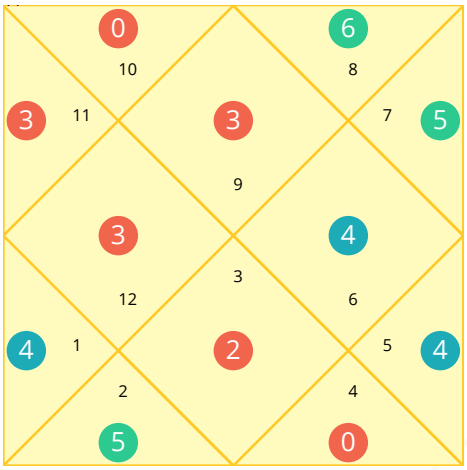

fortune-teller.in

लग्न भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	1	0	0	1	1	1	0	1	5
वृषभ	1	0	1	0	0	0	1	0	3
मिथुन	0	0	0	1	1	0	0	0	2
कर्क	1	1	0	0	1	1	0	0	4
सिंह	0	1	0	1	0	1	0	1	4
कन्या	0	1	1	0	1	0	1	0	4
तुला	0	0	1	1	1	0	1	0	4
वृश्चिक	1	0	0	1	1	0	0	1	4
धनु	1	1	1	0	1	1	1	0	6
मकर	1	0	0	1	0	1	0	0	3
कुंभ	0	0	1	1	1	1	1	0	5
मीन	0	1	0	0	1	1	1	1	5

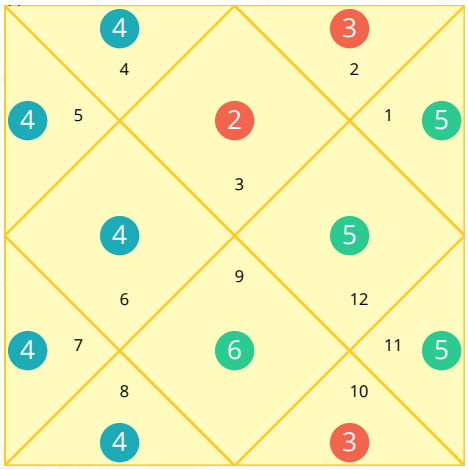

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

fortune-teller.in

सर्वाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	2	8	3	3	7	5	4	0	32
वृषभ	4	4	3	3	4	3	5	0	26
मिथुन	4	2	5	5	5	3	2	0	26
कर्क	3	3	4	6	3	3	0	0	22
सिंह	5	6	3	4	4	5	4	0	31
कन्या	5	4	2	4	6	6	4	0	31
तुला	5	5	3	5	5	6	5	0	34
वृश्चिक	5	3	5	4	5	3	6	0	31
धनु	5	3	4	5	4	3	3	0	27
मकर	2	3	1	8	4	5	0	0	23
कुंभ	2	3	0	1	5	6	3	0	20
मीन	6	5	6	6	4	4	3	0	34

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

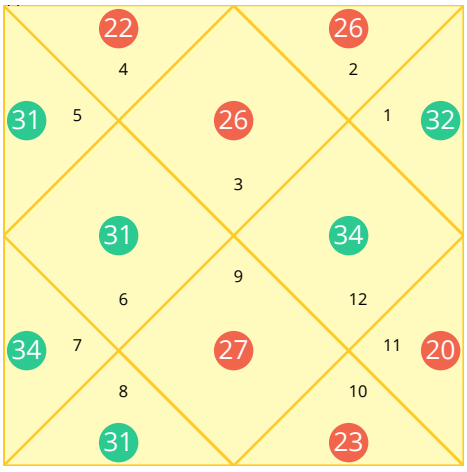

fortune-teller.in

विम्शोत्तरी दशा - I

राहु

02-05-1989 13:16
03-05-2007 01:16

राहु	13-01-1992 17:28
गुरु	08-06-1994 07:52
शनि	14-04-1997 06:58
बुध	01-11-1999 16:16
केतु	19-11-2000 04:34
शुक्र	19-11-2003 22:34
सूर्य	13-10-2004 15:58
चन्द्र	14-04-2006 12:58
मंगल	03-05-2007 01:16

गुरु

03-05-2007 01:16
03-05-2023 01:16

गुरु	20-06-2009 06:04
शनि	01-01-2012 13:16
बुध	08-04-2014 10:52
केतु	15-03-2015 08:28
शुक्र	13-11-2017 08:28
सूर्य	01-09-2018 13:16
चन्द्र	01-01-2020 13:16
मंगल	07-12-2020 10:52
राहु	03-05-2023 01:16

शनि

03-05-2023 01:16
02-05-2042 19:16

शनि	05-05-2026 20:19
बुध	12-01-2029 23:28
केतु	21-02-2030 19:07
शुक्र	23-04-2033 10:07
सूर्य	05-04-2034 09:49
चन्द्र	04-11-2035 17:19
मंगल	13-12-2036 12:58
राहु	20-10-2039 12:04
गुरु	02-05-2042 19:16

बुध

02-05-2042 19:16
03-05-2059 01:16

बुध	28-09-2044 10:43
केतु	25-09-2045 15:40
शुक्र	26-07-2048 12:40
सूर्य	01-06-2049 23:46
चन्द्र	01-11-2050 10:16
मंगल	29-10-2051 15:13
राहु	18-05-2054 00:31
गुरु	22-08-2056 22:07
शनि	03-05-2059 01:16

केतु

03-05-2059 01:16
02-05-2066 19:16

केतु	29-09-2059 04:43
शुक्र	28-11-2060 07:43
सूर्य	05-04-2061 03:49
चन्द्र	04-11-2061 05:19
मंगल	02-04-2062 08:46
राहु	20-04-2063 21:04
गुरु	26-03-2064 18:40
शनि	05-05-2065 14:19
बुध	02-05-2066 19:16

शुक्र

02-05-2066 19:16
02-05-2086 19:16

शुक्र	01-09-2069 07:16
सूर्य	01-09-2070 13:16
चन्द्र	02-05-2072 07:16
मंगल	02-07-2073 10:16
राहु	02-07-2076 04:16
गुरु	03-03-2079 04:16
शनि	02-05-2082 19:16
बुध	02-03-2085 16:16
केतु	02-05-2086 19:16

fortune-teller.in

विम्शोत्तरी दशा - II

सूर्य		चन्द्र		मंगल	
02-05-2086 19:16 02-05-2092 07:16		02-05-2092 07:16 03-05-2102 19:16		03-05-2102 19:16 03-05-2109 13:16	
सूर्य	20-08-2086 09:04	चन्द्र	02-03-2093 16:16	मंगल	29-09-2102 22:43
चन्द्र	19-02-2087 00:04	मंगल	01-10-2093 17:46	राहु	18-10-2103 11:01
मंगल	26-06-2087 20:10	राहु	02-04-2095 14:46	गुरु	23-09-2104 08:37
राहु	20-05-2088 13:34	गुरु	01-08-2096 14:46	शनि	02-11-2105 04:16
गुरु	08-03-2089 18:22	शनि	02-03-2098 22:16	बुध	30-10-2106 09:13
शनि	18-02-2090 18:04	बुध	02-08-2099 08:46	केतु	28-03-2107 12:40
बुध	26-12-2090 05:10	केतु	03-03-2100 10:16	शुक्र	27-05-2108 15:40
केतु	03-05-2091 01:16	शुक्र	02-11-2101 04:16	सूर्य	02-10-2108 11:46
शुक्र	02-05-2092 07:16	सूर्य	03-05-2102 19:16	चन्द्र	03-05-2109 13:16

वर्त्तमान दशा

दशा नाम	ग्रह	आरम्भ तिथि	सम्पति तिथि
महादशा	गुरु	03-05-2007 01:16	03-05-2023 01:16
अंतर्दशा	चन्द्र	01-09-2018 13:16	01-01-2020 13:16
प्रत्यंतर दशा	गुरु	21-01-2019 14:16	27-03-2019 12:40
सूक्ष्म दशा	बुध	09-02-2019 12:48	18-02-2019 17:35

*** ध्यान दें - सभी दिनांक दशा समाप्ति को दर्शाते हैं।**

fortune-teller.in

योगिनी दशा - I

पिंगला (2 वर्ष)

14-1-1990 17:1
14-1-1992 17:1

पिंगला	24-2-1990 7:1
धान्य	26-4-1990 4:1
भ्रामरी	16-7-1990 8:1
भद्रिका	25-10-1990 19:1
उल्का	24-2-1991 13:1
सिद्धि	16-7-1991 14:1
संकटा	25-12-1991 22:1
मंगला	14-1-1992 17:1

धान्य (3 वर्ष)

14-1-1992 17:1
14-1-1995 17:1

धान्य	15-4-1992 0:31
भ्रामरी	14-8-1992 18:31
भद्रिका	13-1-1993 23:1
उल्का	15-7-1993 14:1
सिद्धि	13-2-1994 15:31
संकटा	15-10-1994 3:31
मंगला	14-11-1994 14:1
पिंगला	14-1-1995 17:1

भ्रामरी (4 वर्ष)

14-1-1995 17:1
14-1-1999 17:1

भ्रामरी	26-6-1995 1:1
भद्रिका	14-1-1996 23:1
उल्का	14-9-1996 11:1
सिद्धि	25-6-1997 13:1
संकटा	16-5-1998 5:1
मंगला	25-6-1998 19:1
पिंगला	14-9-1998 23:1
धान्य	14-1-1999 17:1

भद्रिका (5 वर्ष)

14-1-1999 17:1
14-1-2004 17:1

भद्रिका	25-9-1999 8:31
उल्का	25-7-2000 17:31
सिद्धि	15-7-2001 20:1
संकटा	25-8-2002 16:1
मंगला	15-10-2002 9:31
पिंगला	24-1-2003 20:31
धान्य	26-6-2003 1:1
भ्रामरी	14-1-2004 17:1

उल्का (6 वर्ष)

14-1-2004 17:1
14-1-2010 17:1

उल्का	13-1-2005 23:1
सिद्धि	16-3-2006 2:1
संकटा	16-7-2007 2:1
मंगला	14-9-2007 23:1
पिंगला	14-1-2008 17:1
धान्य	15-7-2008 8:1
भ्रामरी	15-3-2009 20:1
भद्रिका	14-1-2010 17:1

सिद्धि (7 वर्ष)

14-1-2010 17:1
14-1-2017 17:1

सिद्धि	26-5-2011 20:31
संकटा	15-12-2012 0:31
मंगला	24-2-2013 1:1
पिंगला	16-7-2013 2:1
धान्य	14-2-2014 3:31
भ्रामरी	25-11-2014 5:31
भद्रिका	15-11-2015 8:1
उल्का	14-1-2017 17:1

fortune-teller.in

योगिनी दशा - II

संकटा (8 वर्ष)

14-1-2017 17:1
14-1-2025 17:1

संकटा	26-10-2018 1:1
मंगला	15-1-2019 5:1
पिंगला	26-6-2019 13:1
धान्य	25-2-2020 1:1
भ्रामरी	14-1-2021 17:1
भद्रिका	24-2-2022 13:1
उल्का	26-6-2023 13:1
सिद्धि	14-1-2025 17:1

मंगला (1 वर्ष)

14-1-2025 17:1
14-1-2026 17:1

मंगला	24-1-2025 20:31
पिंगला	14-2-2025 3:31
धान्य	16-3-2025 14:1
भ्रामरी	26-4-2025 4:1
भद्रिका	15-6-2025 21:31
उल्का	15-8-2025 18:31
सिद्धि	25-10-2025 19:1
संकटा	14-1-2026 17:1

पिंगला (2 वर्ष)

14-1-2026 17:1
14-1-2028 17:1

पिंगला	24-2-2026 7:1
धान्य	26-4-2026 4:1
भ्रामरी	16-7-2026 8:1
भद्रिका	25-10-2026 19:1
उल्का	24-2-2027 13:1
सिद्धि	16-7-2027 14:1
संकटा	25-12-2027 22:1
मंगला	14-1-2028 17:1

धान्य (3 वर्ष)

14-1-2028 17:1
14-1-2031 17:1

धान्य	15-4-2028 0:31
भ्रामरी	14-8-2028 18:31
भद्रिका	13-1-2029 23:1
उल्का	15-7-2029 14:1
सिद्धि	13-2-2030 15:31
संकटा	15-10-2030 3:31
मंगला	14-11-2030 14:1
पिंगला	14-1-2031 17:1

भ्रामरी (4 वर्ष)

14-1-2031 17:1
14-1-2035 17:1

भ्रामरी	26-6-2031 1:1
भद्रिका	14-1-2032 23:1
उल्का	14-9-2032 11:1
सिद्धि	25-6-2033 13:1
संकटा	16-5-2034 5:1
मंगला	25-6-2034 19:1
पिंगला	14-9-2034 23:1
धान्य	14-1-2035 17:1

भद्रिका (5 वर्ष)

14-1-2035 17:1
14-1-2040 17:1

भद्रिका	25-9-2035 8:31
उल्का	25-7-2036 17:31
सिद्धि	15-7-2037 20:1
संकटा	25-8-2038 16:1
मंगला	15-10-2038 9:31
पिंगला	24-1-2039 20:31
धान्य	26-6-2039 1:1
भ्रामरी	14-1-2040 17:1

fortune-teller.in

योगिनी दशा - III

उल्का (6 वर्ष)

14-1-2040 17:1
14-1-2046 17:1

उल्का	13-1-2041 23:1
सिद्धि	16-3-2042 2:1
संकटा	16-7-2043 2:1
मंगला	14-9-2043 23:1
पिंगला	14-1-2044 17:1
धान्य	15-7-2044 8:1
भ्रामरी	15-3-2045 20:1
भद्रिका	14-1-2046 17:1

सिद्धि (7 वर्ष)

14-1-2046 17:1
14-1-2053 17:1

सिद्धि	26-5-2047 20:31
संकटा	15-12-2048 0:31
मंगला	24-2-2049 1:1
पिंगला	16-7-2049 2:1
धान्य	14-2-2050 3:31
भ्रामरी	25-11-2050 5:31
भद्रिका	15-11-2051 8:1
उल्का	14-1-2053 17:1

संकटा (8 वर्ष)

14-1-2053 17:1
14-1-2061 17:1

संकटा	26-10-2054 1:1
मंगला	15-1-2055 5:1
पिंगला	26-6-2055 13:1
धान्य	25-2-2056 1:1
भ्रामरी	14-1-2057 17:1
भद्रिका	24-2-2058 13:1
उल्का	26-6-2059 13:1
सिद्धि	14-1-2061 17:1

मंगला (1 वर्ष)

14-1-2061 17:1
14-1-2062 17:1

मंगला	24-1-2061 20:31
पिंगला	14-2-2061 3:31
धान्य	16-3-2061 14:1
भ्रामरी	26-4-2061 4:1
भद्रिका	15-6-2061 21:31
उल्का	15-8-2061 18:31
सिद्धि	25-10-2061 19:1
संकटा	14-1-2062 17:1

*** ध्यान दें - सभी दिनांक दशा समाप्ति को दर्शाते हैं।**

fortune-teller.in

चर दशा

मिथुन (7 वर्ष)

15-2-1990
15-2-1997

वृष	15-10-2004
मिथुन	15-6-2005
कर्क	15-2-2006
सिंह	15-10-2006
कन्या	15-6-2007
तुला	15-2-2008
वृश्चिक	15-10-2008
धनु	15-6-2009
मकर	15-2-2010
कुम्भ	15-10-2010
मीन	15-6-2011
मेष	15-2-2012

वृष (7 वर्ष)

15-2-1997
15-2-2004

वृष	15-10-1990
मिथुन	15-6-1991
कर्क	15-2-1992
सिंह	15-10-1992
कन्या	15-6-1993
तुला	15-2-1994
वृश्चिक	15-10-1994
धनु	15-6-1995
मकर	15-2-1996
कुम्भ	15-10-1996
मीन	15-6-1997
मेष	15-2-1998

मेष (8 वर्ष)

15-2-2004
15-2-2012

वृष	15-10-1990
मिथुन	15-6-1991
कर्क	15-2-1992
सिंह	15-10-1992
कन्या	15-6-1993
तुला	15-2-1994
वृश्चिक	15-10-1994
धनु	15-6-1995
मकर	15-2-1996
कुम्भ	15-10-1996
मीन	15-6-1997
मेष	15-2-1998

मीन (9 वर्ष)

15-2-2012
15-2-2021

वृष	15-10-1990
मिथुन	15-6-1991
कर्क	15-2-1992
सिंह	15-10-1992
कन्या	15-6-1993
तुला	15-2-1994
वृश्चिक	15-10-1994

कुम्भ (2 वर्ष)

15-2-2021
15-2-2023

वृष	15-10-1990
मिथुन	15-6-1991
कर्क	15-2-1992
सिंह	15-10-1992
कन्या	15-6-1993
तुला	15-2-1994
वृश्चिक	15-10-1994

मकर (1 वर्ष)

15-2-2023
15-2-2024

वृष	15-10-1990
मिथुन	15-6-1991
कर्क	15-2-1992
सिंह	15-10-1992
कन्या	15-6-1993
तुला	15-2-1994
वृश्चिक	15-10-1994

fortune-teller.in

धनु	15-6-1995
मकर	15-2-1996
कुम्भ	15-10-1996
मीन	15-6-1997
मेष	15-2-1998

धनु	15-6-1995
मकर	15-2-1996
कुम्भ	15-10-1996
मीन	15-6-1997
मेष	15-2-1998

धनु	15-6-1995
मकर	15-2-1996
कुम्भ	15-10-1996
मीन	15-6-1997
मेष	15-2-1998

धनु (6 वर्ष)

15-2-2024
15-2-2030

वृष	15-10-1990
मिथुन	15-6-1991
कर्क	15-2-1992
सिंह	15-10-1992
कन्या	15-6-1993
तुला	15-2-1994
वृश्चिक	15-10-1994
धनु	15-6-1995
मकर	15-2-1996
कुम्भ	15-10-1996
मीन	15-6-1997
मेष	15-2-1998

वृश्चिक (8 वर्ष)

15-2-2030
15-2-2038

वृष	15-10-1990
मिथुन	15-6-1991
कर्क	15-2-1992
सिंह	15-10-1992
कन्या	15-6-1993
तुला	15-2-1994
वृश्चिक	15-10-1994
धनु	15-6-1995
मकर	15-2-1996
कुम्भ	15-10-1996
मीन	15-6-1997
मेष	15-2-1998

तुला (2 वर्ष)

15-2-2038
15-2-2040

वृष	15-10-1990
मिथुन	15-6-1991
कर्क	15-2-1992
सिंह	15-10-1992
कन्या	15-6-1993
तुला	15-2-1994
वृश्चिक	15-10-1994
धनु	15-6-1995
मकर	15-2-1996
कुम्भ	15-10-1996
मीन	15-6-1997
मेष	15-2-1998

कन्या (8 वर्ष)

15-2-2040
15-2-2048

वृष	15-10-1990
मिथुन	15-6-1991
कर्क	15-2-1992
सिंह	15-10-1992

सिंह (6 वर्ष)

15-2-2048
15-2-2054

वृष	15-10-1990
मिथुन	15-6-1991
कर्क	15-2-1992
सिंह	15-10-1992

कर्क (9 वर्ष)

15-2-2054
15-2-2063

वृष	15-10-1990
मिथुन	15-6-1991
कर्क	15-2-1992
सिंह	15-10-1992

कन्या	15-6-1993	कन्या	15-6-1993	कन्या	15-6-1993
तुला	15-2-1994	तुला	15-2-1994	तुला	15-2-1994
वृश्चिक	15-10-1994	वृश्चिक	15-10-1994	वृश्चिक	15-10-1994
धनु	15-6-1995	धनु	15-6-1995	धनु	15-6-1995
मकर	15-2-1996	मकर	15-2-1996	मकर	15-2-1996
कुम्भ	15-10-1996	कुम्भ	15-10-1996	कुम्भ	15-10-1996
मीन	15-6-1997	मीन	15-6-1997	मीन	15-6-1997
मेष	15-2-1998	मेष	15-2-1998	मेष	15-2-1998

*** ध्यान दें - सभी दिनांक दशा समाप्ति को दर्शाते हैं।**

fortune-teller.in

कालसर्प दोष

जब किसी व्यक्ति की कुंडली में राहु और केतू ग्रहों के बीच अन्य सभी ग्रह आ जाते हैं तो कालसर्प दोष का निर्माण होता है। क्योकि कुंडली के एक भाव में राहु और दूसरे भाव में केतु के बैठे होने से अन्य सभी ग्रहों से आ रहे फल रुक जाते हैं। इन दोनों ग्रहों के बीच में सभी ग्रह फँस जाते हैं और यह जातक के लिए एक समस्या बन जाती है। इस दोष के कारण फिर काम में बाधा, नौकरी में रुकावट, शादी में देरी और धन संबंधित परेशानियाँ, उत्पन्न होने लगती हैं।

कालसर्प योग वाले सभी जातकों पर इस योग का समान प्रभाव नहीं पड़ता। किस भाव में कौन सी राशि अवस्थित है और उसमें कौन-कौन ग्रह कहां बैठे हैं और उनका बलाबल कितना है - इन सब बातों का भी संबंधित जातक पर भरपूर असर पड़ता है। इसलिए मात्र कालसर्प योग सुनकर भयभीत हो जाने की जरूरत नहीं बल्कि उसका ज्योतिषीय विश्लेषण करवाकर उसके प्रभावों की विस्तृत जानकारी हासिल कर लेना ही बुद्धिमत्ता कही जायेगी। कालसर्प दोष कुंडली में ख़राब अवश्य माना जाता है किन्तु विधिवत तरह से यदि इसका उपाय किया जाए तो यही कालसर्प दोष सिद्ध योग भी बन सकता है।

अनन्त	कुलिक	वासुकी	शंखपाल
पद्म	महापद्म	तक्षक	कर्कोटक
शंखचूड़	घातक	विषधर	शेषनाग

आपके जन्मपत्रिका में कालसर्पदोष

!!

आपकी जन्मपत्रिका में कालसर्प दोष नहीं है।

कालसर्प नाम

नहीं

दिशा

--

fortune-teller.in

कालसर्प दोष का प्रभाव

सामान्यतः काल सर्प दोष/योग जीवन के सभी पहलुओं में संघर्ष देता है, फिर चाहे वह स्वास्थ्य, धन, करियर, व्यवसाय, प्रेम, विवाह, संतान तथा जीवन से संबंधित कई अन्य मामलें हों । परन्तु, जातक की कुंडली में उपस्थित काल सर्प दोष/योग के सटीक प्रभाव को जानना अति आवश्यक है । क्या यह दोष/योग स्वास्थ्य, धन, कैरियर, व्यवसाय, प्रेम, विवाह, संतति या हमारे जीवन से संबंधित अन्य चीजों में बुरा प्रभाव और संघर्ष दे रहा है? यह आप कैसे जान सकते हैं ?

इसका निर्णय जन्म कुंडली के विभिन्न भावों में राहु तथा केतु की स्तिथि को जानकर हो सकता है । उद्धारणार्थ, यदि राहु लग्न में और केतु सप्तम भाव में स्तिथ हों तो व्यक्ति को स्वास्थ्य और धन में कठिनाइयों आ सकती हैं क्योंकि प्रथम भाव जातक की सेहत तथा जीवन संघर्ष का सूचक है । उसी प्रकार, यदि राहु द्वितीय भाव में हो तो व्यक्ति को उसी भाव से सम्बंधित मामलों जैसे पारिवारिक रिश्तों तथा धन प्राप्ति में संघर्ष और कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है । तो इस प्रकार, जन्म कुंडली के बारह भावों में बन रहे काल सर्प दोष/योग के प्रभावों के अंकन से बारह प्रकार के काल सर्प दोष/योग बनते हैं ।

कालसर्प दोष के उपाय

- कालसर्प दोष के निम्नलिखित उपाय हैं -

- कालसर्प दोष निवारण यंत्रा घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।

- हनुमान चालीसा का 108 बार पाठ करें।

- गृह में मयूर (मोर) पंख रखें ।

- शुभ मुहूर्त में बहते पानी में कोयला तीन बार प्रवाहित करें।

- विद्यार्थीजन सरस्वती जी के बीज मंत्रों का एक वर्ष तक जाप करें और विधिवत उपासना करें।

- राहु की दशा आने पर प्रतिदिन एक माला राहु मंत्रा का जाप करें और जब जाप की संख्या 18 हजार हो जाये तो राहु की मुख्य समिधा दुर्वा से पूर्णाहुति हवन कराएं और किसी गरीब को उड़द व नीले वस्त्रा का दान करें

- महामृत्युंजय मंत्रों का जाप प्रतिदिन 11 माला रोज करें, जब तक राहु केतु की दशा-अंर्तदशा रहे और हर शनिवार को श्री शनिदेव का तैलाभिषेक करें और मंगलवार को हनुमान जी को चौला चढ़ायें।

- शुभ मुहूर्त में सर्वतोभद्रमण्डल यंत्रा को पूजित कर धारण करें।

- श्रावणमास में 30 दिनों तक महादेव का अभिषेक करें।

- एक वर्ष तक गणपति अथर्वशीर्ष का नित्य पाठ करें।

- श्रावण के महीने में प्रतिदिन स्नानोपरांत 11 माला 'नमः शिवाय' मंत्रा का जप करने के उपरांत शिवजी को बेलपत्रा व गाय का दूध तथा गंगाजल

fortune-teller.in

चढ़ाएं तथा सोमवार का व्रत करें।

fortune-teller.in

मांगलिक दोष क्या होता है

जिस जातक की जन्म कुंडली, लग्न/चंद्र कुंडली आदि में मंगल ग्रह, लग्न से प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भावों में से कहीं भी स्थित हो, तो उसे मांगलिक कहते हैं।

कुण्डली में जब लग्न भाव, चतुर्थ भाव, सप्तम भाव, अष्टम भाव और द्वादश भाव में मंगल स्थित होता है तब कुण्डली में मंगल दोष माना जाता है। सप्तम भाव से हम दाम्पत्य जीवन का विचार करते हैं। अष्टम भाव से दाम्पत्य जीवन के मांगलीक सुख को देखा जाता है। मंगल लग्न में स्थित होने से सप्तम भाव और अष्टम भाव दोनों भावों को दृष्टि देता है। चतुर्थ भाव में मंगल के स्थित होने से सप्तम भाव पर मंगल की चतुर्थ पूर्ण दृष्टि पड़ती है। द्वादश भाव में यदि मंगल स्थित है तब अष्टम दृष्टि से सप्तम भाव को देखता है।

मूल रूप से मंगल की प्रकृति के अनुसार ऐसा ग्रह योग हानिकारक प्रभाव दिखाता है, लेकिन वैदिक पूजा-प्रक्रिया के द्वारा इसकी भीषणता को नियंत्रित कर सकते है। मंगल ग्रह की पूजा के द्वारा मंगल देव को प्रसन्न किया जाता है, तथा मंगल द्वारा जनित विनाशकारी प्रभावों, सर्वारिष्ट को शांत व नियंत्रित कर सकारात्मक प्रभावों में वृद्धि की जा सकती है।

लग्ने व्यये सुखे वापि सप्तमे वा अष्टमे कुजे |
शुभ दृग् योग हीने च पतिं हन्ति न संशयम् ||

मांगलिक विश्लेषण

कुल मांगलिक प्रतिशत	14.5%

मांगलिक फल

कुंडली में मांगलिक दोष है परन्तु मांगलिक दोष का प्रभाव बहुत कम होने से किसी हानि की अपेक्षा नहीं है । कुछ साधारण उपायो की मदद से इसे और कम किया जा सकता है।

fortune-teller.in

मांगलिक विश्लेषण - II

भाव के आधार पर

केतु आपके कुंडली में द्वितीय भाव में है।

सप्तम भाव में मंगल अवस्थित है।

शनि सप्तम भाव में आपके कुंडली में स्थित है।

राहु आपके कुंडली में अष्टम भाव में है।

दृष्टि के आधार पर

केतु , आपके कुंडली के अष्टम भाव को देख रहा है।

आपके कुंडली के द्वादश भाव को राहु देख रहा है।

आपके कुंडली का चतुर्थ भाव शनि से दृष्ट है।

आपके कुंडली का चतुर्थ भाव राहु से दृष्ट है।

मंगल की दृष्टि आपके कुडंली के द्वितीय भाव पर पड़ रही है।

राहु की दृष्टि आपके कुडंली के द्वितीय भाव पर पड़ रही है।

आपकी कुंडली में लग्न भाव को मंगल देख रहा है।

आपकी कुंडली में लग्न भाव को शनि देख रहा है।

मांगलिक दोष के उपाय

- चांदी की चौकोर डिब्बी में शहद भरकर हनुमान मंदिर या किसी निर्जन वन, स्थान में रखने से मंगल दोष शांत होता है |

- मंगलवार को सुन्दरकाण्ड एवं बालकाण्ड का पाठ करना लाभकारी होता है |

- बंदरों व कुत्तों को गुड व आटे से बनी मीठी रोटी खिलाएं |

- मंगल चन्द्रिका स्तोत्र का पाठ करना भी लाभ देता है |

- माँ मंगला गौरी की आराधना से भी मंगल दोष दूर होता है |

- कार्तिकेय जी की पूजा से भी मंगल दोष के दुशप्रभाव में लाभ मिलता है |

- मंगलवार को बताशे व गुड की रेवड़ियाँ बहते जल में प्रवाहित करें |

- मंगली कन्यायें गौरी पूजन तथा श्रीमद्भागवत के 18 वें अध्याय के नवें श्लोक का जप अवश्य करें |

fortune-teller.in

साढ़ेसाती क्या होता है

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार साढ़े साती तब बनती है जब शनि गोचर में जन्म चन्द्र से प्रथम, द्वितीय और द्वादश भाव से गुजरता है। शनि एक राशि से गुजरने में ढ़ाई वर्ष का समय लेता है इस तरह तीन राशियों से गुजरते हुए यह साढ़े सात वर्ष का समय लेता है जो साढ़े साती कही जाती है। सामान्य अर्थ में साढ़े साती का अर्थ हुआ सात वर्ष छ: मास।

साढ़े साती के समय व्यक्ति को कठिनाईयों एवं परेशानियों का सामना करना होता है परंतु इसमें घबराने वाली बात नहीं हैं। इसमे कठिनाई और मुश्किल हालत जरूर आते हैं परंतु इस दौरान व्यक्ति को कामयाबी भी मिलती है। बहुत से व्यक्ति साढ़े साती के प्रभाव से सफलता की उंचाईयों पर पहुंच जाते हैं। साढ़े साती व्यक्ति को कर्मशील बनाता है और उसे कर्म की ओर ले जाता है। हठी, अभिमानी और कठोर व्यक्तियों से यह काफी मेहनत करवाता है।

क्या आप साढ़ेसाती में है

नहीं, आप पर इस समय साढ़ेसाती का प्रभाव नहीं है।

विचार करने का दिनाकं	13-2-2019
शनि राशि	धनु
चंद्र राशि	तुला
वक्री शनि ?	नहीं

fortune-teller.in

चंद्र राशि	शनि राशि	वक्री शनि	चरण प्रकार	दिनांक	संक्षिप्त विवरण
तुला	कन्या	--	उदय प्रारम्भ	10-9-2009	
तुला	तुला	--	शिखर प्रारम्भ	15-11-2011	
तुला	तुला	हाँ	उदय प्रारम्भ	16-5-2012	
तुला	तुला	--	शिखर प्रारम्भ	4-8-2012	
तुला	वृश्चिक	--	अस्त प्रारम्भ	2-11-2014	
तुला	धनु	--	अस्त समाप्त	27-1-2017	
तुला	धनु	हाँ	अस्त प्रारम्भ	21-6-2017	
तुला	धनु	--	अस्त समाप्त	26-10-2017	
तुला	कन्या	--	उदय प्रारम्भ	22-10-2038	
तुला	कन्या	हाँ	उदय समाप्त	5-4-2039	
तुला	कन्या	--	उदय प्रारम्भ	13-7-2039	
तुला	तुला	--	शिखर प्रारम्भ	28-1-2041	
तुला	तुला	हाँ	उदय प्रारम्भ	6-2-2041	
तुला	तुला	--	शिखर प्रारम्भ	26-9-2041	
तुला	वृश्चिक	--	अस्त प्रारम्भ	12-12-2043	
तुला	वृश्चिक	हाँ	शिखर प्रारम्भ	23-6-2044	
तुला	वृश्चिक	--	अस्त प्रारम्भ	30-8-2044	
तुला	धनु	--	अस्त समाप्त	8-12-2046	
तुला	कन्या	--	उदय प्रारम्भ	30-8-2068	
तुला	तुला	--	शिखर प्रारम्भ	4-11-2070	
तुला	वृश्चिक	--	अस्त प्रारम्भ	5-2-2073	
तुला	वृश्चिक	हाँ	शिखर प्रारम्भ	30-3-2073	
तुला	वृश्चिक	हाँ	शिखर प्रारम्भ	1-4-2073	
तुला	वृश्चिक	--	अस्त प्रारम्भ	23-10-2073	

fortune-teller.in

चंद्र राशि	शनि राशि	वक्री शनि	चरण प्रकार	दिनांक	संक्षिप्त विवरण
तुला	धनु	--	अस्त समाप्त	16-1-2076	
तुला	धनु	हाँ	अस्त प्रारम्भ	10-7-2076	
तुला	धनु	--	अस्त समाप्त	12-10-2076	

fortune-teller.in

साढ़े सती उपाय

- साढ़ेसाती के अनिष्ट प्रभावों को काम करने के उपाय निम्नलिखित है -

- साढ़े साती की परेशानी से बचने के लिए नियमित हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

- इस ग्रह दशा से बचने के लिए काले घोड़े की नाल की अंगूठी बनाकर उसे दाएं हाथ की मध्यमा उंगली में पहनना चाहिए।

- शनि देव को शनिवार के दिन सरसों का तेल और तांबा भेट करना चाहिए।

- किसी गरीब व्यक्ति को काले कंबल का दान करें।

- शिवलिंग पर काले तिल अर्पित करें और जल चढ़ाएं।

- हर मंगलवार और शनिवार ऊँ रामदूताय नमः मंत्र का जप करें। मंत्र जप की संख्या कम से कम 108 करे।

- धार्मिक आचरण बनाए रखें और किसी का अनादर न करें।

- हर शनिवार को शनि के निमित्त तेल का दान करें। तेल दान करने से पहले तेल में अपना चेहरा देख लेना चाहिए। यह उपाय हर शनिवार किया जाना चाहिए।

- शनि बीज मंत्र - ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः प्रतिदिन 108 बार अवश्य करें

- शनि प्रकोप से मुक्ति के लिए सुंदर काण्ड का नियमित पाठ अवश्य करें।

- रोटी में तेल लगाकर कुत्ते या कौए को खिलाएं।

fortune-teller.in

रत्न उपाय विचार

वैदिक ज्योतिष के अनुसार ग्रहों से सूक्ष्म ऊर्जाओं का उत्सर्जन होता है, जिनका हमारी जन्म कुंडली में ग्रहों की स्तिथि के अनुसार, हमारे जीवन पर प्रतिवर्ती हितकारी अथवा अनिष्टकारी प्रभाव पड़ते हैं । प्रत्येक ग्रह का अपना एक अनूठा तत्सम्बन्धित ज्योतिषीय रत्न होता है जो उसी ग्रह के अनुरूप ब्रह्मांडीय वर्ण-ऊर्जा का प्रसार करता है । रत्न सकारात्मक किरणों के प्रतिबिंब या नकारात्मक किरणों के अवशोषण द्वारा अपना कार्य करते हैं । ये रत्न केवल सकारात्मक स्पंदनों को ही शरीर में प्रवेश करने देते हैं; इस कारण उपयुक्त रत्न पहनाने से उसके धारण कर्ता पर सम्बंधित ग्रह के लाभदायक प्रभाव को बढ़ाया जा सकता है ।

जीवन रत्न

पन्ना

लग्न, शरीर और शरीर से संबंधित सभी बातों का - जैसे स्वास्थ्य, दीर्घायु, नाम, प्रतिष्ठा, जीवन-उद्देश्य आदि का प्रतीक होता है। संक्षेप में, इस में पूरे जीवन का सार समाया है । इसलिए लग्न के स्वामी अर्थात लग्नेश से संबंधित रत्न को जीवन रत्न कहा जाता है । इस रत्न के गुणों तथा शक्तियों का पूरा लाभ उठाने के लिए इसे आजीवन पहना जा सकता है और पहनना भी चाहिए ।

कारक रत्न

हीरा

जन्म कुंडली का पंचम भाव भी एक शुभ भाव है। पांचवा भाव बुद्धि, उच्च शिक्षा, संतान, अप्रत्याशित धन-प्राप्ति आदि का द्योतक है। इस भाव को 'पूर्व पुण्य कर्मों' का अर्थात पिछले जन्मों के अच्छे कर्मों का स्थान भी माना जाता है । इसी कारण इसे शुभ भाव कहते हैं । पंचम भाव के स्वामी से सम्बंधित रत्न को कारक रत्न कहा जाता है।

भाग्य रत्न

नीलम

जन्म-कुंडली के नवम भाव को भाग्य या प्रारब्ध का स्थान कहा जाता है । यह भाव भाग्य, सफलता, ज्ञान, गुणदोष और उपलब्धियों आदि का द्योतक है । यह भाव व्यक्ति द्वारा पिछले जन्मों में किए गए अच्छे कर्मों के कारण प्राप्त होने वाले फल स्वरूप आनंद की ओर संकेत करता है । नवम भाव के स्वामी से सम्बंधित रत्न को भाग्य रत्न कहते हैं । इस रत्न को धारण करने से भाग्य में वृद्धि होती है ।

fortune-teller.in

जीवन रत्न - पन्ना

विकल्प	हरा गोमेद	दिन	बुधवार
उंगली	कनिष्ठा	अधिदेवता	बुद्ध
भार	4 - 6.25 कैरेट	धातु	स्वर्ण

विवरण

पन्ना का स्वामी ग्रह बुध है । पन्ना धारण करने से अच्छे स्वास्थ्य, बलवान शरीर, धन, संपत्ति और अच्छी नेत्र दृष्टि की प्राप्ति होती है । यह दुष्ट आत्माओं, सर्प दंश और बुरी नज़र से कुप्रभावों से बचाता है। पन्ना मिर्गी एवं पागलपन के इलाज और बुरे स्वप्नों से संरक्षण में भी सहायक है ।

भार व धातु

पन्ना का वजन ३ कैरेट से अधिक होना चाहिए । इसे सोने की अंगूठी में जड़ा जाना चाहिए । अंगूठी की बनावट इस प्रकार की हो कि रत्न त्वचा को छू सके ।

पहनने का समय

पन्ना रत्न चंद्रमास के शुक्ल पक्ष के किसी भी बुधवार को सूर्योदय के दो घंटे बाद धारण किया जा सकता है ।

मंत्र

प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात इस रत्न की फूलों और धूप-बत्ती के साथ पूजा करें । पन्ना धारण करने के लिए निम्नलिखित मंत्र का १०८ बार जाप करें

ॐ ब्रां ब्रीं सः बुधाय नमः

प्राण प्रतिष्ठा

पन्ना की अंगूठी पहनने से पहले, इसे कच्चे दूध या गंगा जल में कुछ समय के लिए डुबो कर रखें ।

उंगली

मंत्र जाप के बाद, पन्ना की अंगूठी को दाहिने हाथ की कनिष्ठा अर्थात छोटी उंगली में धारण करें ।

विकल्प

पन्ना के स्थान पर अक्वामरीन (हरित नील), पेरिडोट, हरा जिक्रोन, ग्रीन एगेट या हरा जेड(हरिताश्म) जैसे विभिन्न विकल्प रत्न भी उपयोग में लाये जा सकते हैं ।

सावधानी

ध्यान रहें कि पन्ना को लाल मूंगा, मोती, पुखराज और उनके विकल्प रत्नों के साथ नहीं पहना जाना चाहिए।

fortune-teller.in

कारक रत्न - हीरा

विकल्प	ओपल / जिरकॉन	दिन	शुक्रवार
उंगली	कनिष्ठा	अधिदेवता	शुक्र
भार	1 - 4.25 कैरेट	धातु	चांदी

विवरण

हीरा रत्न का स्वामी ग्रह शुक्र है । हीरा धारण करने से धैर्य, सफलता, धन, समृद्धि, निर्मलता की प्राप्ति होती है । हीरा धारण करने वाला व्यक्ति निडर, बुद्धिमान और शिष्ट होता है। हीरा पहनने से धारक धार्मिक शास्त्रों में प्रवीण बनाता है। यह रत्न बुरी आत्माओं के हानिकारक प्रभावों और साँप के दंश से भी संरक्षण करता है।

भार व धातु

वजन में १-१/२ कैरेट का दोषरहित हीरा पहनना चाहिए । इसे प्लटिनम या चांदी की अंगूठी में जड़ा जाना चाहिए । अंगूठी की बनावट इस प्रकार की हो कि रत्न त्वचा को छू सके ।

पहनने का समय

हीरा को शुक्ल पक्ष के किसी भी शुक्रवार को सूर्योदय के बाद धारण किया जा सकता है ।

मंत्र

प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात इस रत्न की फूलों और धूप-बत्ती के साथ पूजा करें । हीरा धारण करने के लिए निम्नलिखित मंत्र का १०८ बार जाप करें

ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः

प्राण प्रतिष्ठा

हीरे की अंगूठी पहनने से पहले, इसे कच्चे दूध या गंगा जल में कुछ समय के लिए डुबो कर रखें।

उंगली

मंत्र जाप के बाद, हीरा को दाहिने हाथ की छोटी उंगली अर्थात कनिष्ठा में धारण किया जा सकता है ।

विकल्प

हीरा के स्थान पर सफेद नीलम, सफेद जिक्रोन और सफेद तूरमली आदि विकल्प रत्नों को भी धारण किया सकता है ।

सावधानी

हीरा को माणिक, मोती, लाल मूंगा और पुखराज के साथ नहीं पहना जाना चाहिए।

fortune-teller.in

भाग्य रत्न

भाग्य रत्न - नीलम

विकल्प	नीली	दिन	शनिवार
उंगली	मध्यमिका	अधिदेवता	शनि
भार	3 - 4.25 कैरेट	धातु	चांदी

विवरण

नीलम रत्न का स्वामी ग्रह शनि है । नीलम धारण करने से स्वास्थ्य, धन, दीर्घायु, सुख, समृद्धि, नाम और यश की प्राप्ति होती है ।

भार व धातु

वजन में कम से कम ५ कैरेट का दोषरहित नीलम पहनना चाहिए । इसे स्टील या अष्ट धातु से बनी अंगूठी में जड़ा जाना चाहिए । अंगूठी की बनावट इस प्रकार की हो कि रत्न त्वचा को छू सके ।

पहनने का समय

नीलम रत्न को किसी भी शनिवार को सूर्यास्त से दो घंटे पहले धारण किया जा सकता है ।

मंत्र

प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात इस रत्न की फूलों और धूप-बत्ती के साथ पूजा करें । नीलम धारण करने के लिए निम्नलिखित मंत्र का १०८ बार जाप करें

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः

प्राण प्रतिष्ठा

अंगूठी पहनने से पहले, इसे कच्चे दूध या गंगा जल में कुछ समय के लिए डुबो कर रखें ।

उंगली

मंत्र जाप के बाद, नीलम को मध्यमा अर्थात बीच की अंगुली में धारण किया जा सकता है ।

विकल्प

नीलम के स्थान पर नीला जिक्रोन, जामुनिया, नीली तूरमुली, लाजावर्द, ब्लू स्पिनल और नीली जैसे विभिन्न विकल्प रत्न भी उपयोग में लाये जा सकते हैं ।

सावधानी

ध्यान रहें कि नीलम को माणिक, मोती, लाल मूंगा और उनके विकल्प रत्नों के साथ नहीं पहना जाना चाहिए।

fortune-teller.in

सात मुखी रुद्राक्ष

आपको साथ मुखी रुद्राक्ष धारण करने की सलाह दी जाती है।

.

शनि इस 7 मुखी रुद्राक्ष का स्वामी है। सभी ग्रहों के बीच, शनि योगी-गुरु होने की प्रशंसा प्राप्त करता है। शनि का क्षेत्र और आसपास के आभा में इसका प्रचार हो जाता है। इस रुद्राक्ष के पहननेवाला शनि के प्रभावों से मुक्त होना शुरु कर देता है। नपुंसकता, ठंड, अवरोधों पर काबू पाने में इसकी उपयोगिता काफी है। सात मुखी रुद्राक्ष पहन कर व्यक्ति, व्यवसाय और सेवा में प्रगति कर सकता है और अपने जीवन को खुशी से व्यतीत करता है। यह लंबे समय तक की बीमारियों का इलाज करने में भी सहायक है। धन प्राप्त करने के लिए यह उपयोगी है।

fortune-teller.in

शुभाशुभ अंक

9	6	6
भाग्यांक	मूलांक	नामांक

आपका नाम	Ajeet kanojia
जन्म दिनांक	15-2-1990
मूलांक	6
मूलांक स्वामी	शुक्र
मित्र अंक	4,3,9
सम अंक	2,5,7
शत्रु अंक	1,8
शुभ दिन	गुरूवार, मंगलवार, शुक्रवार
शुभ रत्न	हीरा, ओपल
शुभ उपरत्न	जिरकॉन , सफेद नीलम
शुभ देवता	देवी
शुभ धातु	चांदी
शुभ रंग	सफेद
शुभ मंत्र	||ओम शुम शुक्राय नमः ||

fortune-teller.in

आपके बारे में

.

आपका मूलांक छः है। इसका अधिष्ठाता शुक्र ग्रह है। मूलांक छः के प्रभाववश आप के अन्दर आकर्षण शक्ति तथा मिलन सारिता अधिक रहेगी। इस गुण के कारण आप लोक प्रियता प्राप्त करेंगे। सुन्दरता, सुन्दर वस्तुओं की ओर आकृष्ट होना आपकी सहज प्रवृत्ति होगी। विपरीत सेक्स के प्रति आपका आकर्षण रहेगा एवं सुन्दर नर-नारियों से संबंध बनाना, वार्तालाप करना आपकी प्रकृति में रहेगा। विभिन्न कलाओं के क्षेत्र में आपकी अभिरुचि रहेगी एवं कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार-व्यापार भी बना सकते हैं। संगीत-साहित्य, ललितकला, चित्रकला इत्यादि में रुचि रखेंगे। सुन्दर वस्त्र धारण करना एवं सुसज्जित मकान में रहना आपको अच्छा लगेगा। अतिथियों का आदर सत्कार करने में आपको गर्व महसूस होगा। घर या कार्यालय में सभी वस्तुऐं ढंग से सजावट के साथ रखना, सुरुचिपूर्ण फर्नीचर, परदे इत्यादि रखना आपको रास आयेगा। स्वभाव में आपके थोड़ा हठीपन रहेगा एवं आपकी हमेशा यही कोशिश रहेगी कि आपकी बात को सामने वाला मान जाया करे। किसी बात पर अड़े रहना तथा ईर्ष्या की मात्रा आपके अन्दर अधिक रहेगी। आप कार्यक्षेत्र में किसी की प्रतिद्वन्दिता को आसानी से सहन नहीं कर पायेंगे। जिसके कारण कभी-कभी मानसिक तनाव एवं आत्मग्लानि का भी सामना करना पड़ेगा। आप दूसरों को अपना बना लेने की कला में पारंगत रहेंगे। शीघ्र मित्र बनाने की कला आपके अन्दर अधिक मात्रा में होने से आपके मित्रों की संख्या अधिक रहेगी।

शुभ व्रत समय

.

शुक्रवार को शुक्र अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। इकतीस या इक्कीस शुक्रवारों को शुक्र का व्रत करें। सफेद वस्त्र धारण करें एवं सफेद वस्तुओं का दान करें। यथाशक्ति शुक्र मंत्र का स्फटिक माला पर जप करें।

fortune-teller.in

शुभ देवता

.

आप शुक्र ग्रह की उपासना करें, अथवा भगवती दुर्गा की आराधना करें भगवती दुर्गा के अष्टाक्षरी मंत्र 'ओम् ह्रीं दुं दुर्गायै नमः' का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा अष्टमी के दिन व्रत करें एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ करेंगे तो आप विभिन्न रोगों और समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवती दुर्गा के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्षन कर लिया करें।

शुभ गायत्री मंत्र

.

आपके लिए शुक्र के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, शुक्र के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा। शुक्र गायत्री मंत्र - ||ऊँ भृगुजाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो शुक्रः प्रचोदयात्।।||

शुभ ध्यान समय

.

प्रातःकाल उठ कर आप शुक्र का ध्यान करें, मन में शुक्र की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें। हिमकुंदमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्। सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।||

fortune-teller.in

शुभ मंत्र

.

अशुभ शुक्र को अनुकूल बनाने हेतु शुक्र के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ साठ माला का हैं। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।। ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।। जप संख्या 16000।।

आपके के लिए शुभ समय

.

शुक्र दिनांक 21 अप्रैल से 21 मई तक तथा 24 सितंबर से 13 अक्तूबर तक सूर्य, पाश्चात्यमतानुसार, वृष तथा तुला राशि में रहता है, जो भारतीय मतानुसार 13 मई से 14 जून तथा 17 अक्तूबर से 13 नवंबर तक का समय होता है। यह शुक्र की स्वराशि है। 14 मार्च से 12 अप्रैल तक मीन राशि से शुक्र उच्च का होता है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक छह के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहता है।

fortune-teller.in

शुभ वास्तु

.

यदि आप स्वयं का भवन निर्माण के इच्छुक हैं तो इसके लिए आवश्यक है कि आप सही दिशा का चयन करें। आपके लिए अग्नि कोण दिशा उत्तम रहेगी। मकान क्रमांक 3, 6, 9 हो तो श्रेष्ठ रहेगा। आप शहर के अग्नि कोण क्षेत्र या भवन के अग्नि कोण क्षेत्र में निवास करें। वह आपके लिए उत्तम रहेगा। अतः आप अपने रोजगार संबंधी कार्यों को करते समय भी इन्हीं दिशाओं का चुनाव करें जो आपके लिए श्रेष्ठ फलदायक रहेगा। भवन का रंग, फर्नीचर का रंग हल्का नीला, आसमानी रखना श्रेष्ठ रहेगा।

fortune-teller.in

लग्न फल - मिथुन

स्वामी	बुध
प्रतीक	युगल
विशेषताएँ	वायु तत्त्व, द्विस्वभाव, पश्चिम
भाग्यशाली रत्न	पन्ना
व्रत का दिन	पूर्णिमा

देहं रूपं च ज्ञानं च वर्णं चैव बलाबलम् |
सुखं दुःखं स्वभावञ्च लग्नभावान्निरीक्षयेत ||

मिथुन राशि के व्यक्ति मित्रवत, अपनी बात को दूसरों तक पहुँचाने में कुशल, मिलनसार, अस्थिरचित्त, अनिश्चित,एक समय पर एक साथ दो या अधिक कार्यों में रुचि लेने वाले, हाज़िर जवाब,बुद्धिमान , मानसिक रूप से अधिक सक्रिय ,अति-भावुक ,थोड़े तुनकमिज़ाज अशांत या घबरा जाने वाले , वाचाल , अगंभीर और हमेशा कुछ अलग करने के लिए तैयार रहने वाले होते हैं ।

मिथुन राशि दो जुड़वाँ बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है,इसलिए आपके व्यक्तित्व के भी दो अलग अलग पक्ष हो सकते हैं । आप जो पहले से ही जानते हैं और उससे अधिक सीखने के लिए आपको यह बात लोगों तक पहुचाने की प्रबल आवश्यकता है।

> " आप पढ़ने और यात्रा करने में आनंद लेते हैं और इन दोनों कार्यों में नवीनतम ज्ञान प्राप्ति की ढेरों संभावनाएं हैं । आपको विविधता पसंद है और ऐसा हो सकता है कि आप सभी कार्यों में थोड़े थोड़े निपुण हों लेकिन किसी भी कार्य में पूर्णतः प्रवीण ना हों।

आपका रुझान विस्तृत रूप से बातों के विस्तार में होगा लेकिन आप उनकी गहराई में जाने का प्रयत्न नहीं करेंगे । आप उपर से आत्मविश्वासपूर्ण दिखाई दे सकते हैं, लेकिन आप में आत्मविश्वास और आंतरिक स्थिरता की कमी हो सकती है ।

fortune-teller.in

आप को बोलना अच्छा लगता है ,अपने मुँह से और साथ ही हाथों के इस्तेमाल से ।

> " मिथुन राशि का स्वामी है बुध, इसलिए बुध आपकी कुंडली में महत्वपूर्ण होगा ।

सीखने के लिए आध्यात्मिक सबक

नियंत्रण: (सीखना और ऊर्जा बर्बाद करने की अपेक्षा उसकी प्राथमिकता को जानें)

सकारात्मक लक्षण

प्रज्ञात्मक | योजनाकार | बहुमुखी अनुकूलनीय | तार्किक

नकारात्मक लक्षण

ढुलमुल मन | अधीर | गपशप करना | तिकड़मबाज

fortune-teller.in

आपकी कुंडली में ग्रहों का विश्लेषण

ज्योतिष के अनुसार सूर्य को सबसे शक्तिशाली ग्रह माना जाता है, यह जीवन का स्रोत है।सूर्य को स्वास्थ्य, जीवन शक्ति, ऊर्जा, शक्ति, पिता, सम्मान, प्रतिष्ठा, गौरव, प्रसिद्धि, साहस और व्यक्तिगत शक्ति काकारक कहा जाता है।

आपकी कुंडली में सूर्य ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **कुम्भ**	अंश **02:45:27**	नक्षत्र **धनिष्ठा - 3**
स्वामी **तिसरा भाव**	भाव में **नौवां भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / बाल**

सूर्य आपकी कुंडली मे हानिप्रद है

आपके जन्मपत्रिका में सूर्य नौवां भाव में एवं कुम्भ राशि में स्थित है।

आप उच्च आदर्शोंवाले, सहनशील, साहसी और जिज्ञासु व्यक्ति हैं . आप एक सदाचारी और तपस्वी प्रवृति के मनुष्य हैं . आप का स्वभाव सीधा और स्पष्ट हैं और आप दिखावे के भीतर छिपी सच्चाई की तह तक पहुँचने की क्षमता रखते हैं . आप के उद्देश्य बुलंद और महान हैं, लेकिन व्यावहारिकता में कमी हो सकती है. आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों में गहरी रुचि है. कानून, धर्म और दर्शन स्वाभाविक अभिरुचि के विषय हैं. आपका अंतरमन अत्यधिक विकसित है.

> " आप सत्य और न्याय के प्रेमी हैं.

आपका दिमाग तेज है और आप अपने जीवन के लक्ष्यों के विषय में स्पष्ट हैं. आप में अपने आसपास की दुनिया को समझने की गहरी अभिलाषा है. जीवन और जीवन की घटनाओं के अर्थ को खोजने की तीव्र इच्छा हैं. आप में विभिन्न संस्कृतियों और दृष्टिकोण को प्रत्यक्ष रूप से समझने और जानने की व विश्वभर में भ्रमण करने की गहन आकांक्षा है. आप का विदेशी भाषाओं और विदेशी संस्कृति की ओर काफी रुझान है. विदेश में जन्मे व्यक्ति या विदेश में यात्रा करते समय मिले किसी व्यक्ति से विवाह होने की संभावना है. संभव हैं कि आप अपना धर्म भी बदल लें .

आप एक उपदेशक, शिक्षक, दार्शनिक, पुजारी, आध्यात्मिक मार्गदर्शक, आदि की भूमिका के लिए पूरी तरह से उपयुक्त हैं . आप को स्वयं के व्यावसायिक

fortune-teller.in

उपक्रमों में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता हैं परन्तु दूसरों के धन का आनंद और लाभ आप को प्राप्त होता हैं . आप निरंतर परेशानियों और चिंताओं का जीवन जीते हैं. आप दिखावटी, अहंकारी और एक अवसरवादी भी हो सकते हैं. कभी-कभी आप अति विश्वासी, अड़ियल या आक्रामक भी हो जाते हैं .आप को उपहार या दान के रूप में चांदी या चांदी के सामान को कभी स्वीकार नहीं करना चाहिए और जहां तक संभव हो चांदी का दान करना चाहिए.

सूर्य मंत्र	**॥ ॐ ह्रीं ह्रौं सूर्याय नमः ॥**

fortune-teller.in

चंद्रमा में मन, शक्ति और भावनाओं को प्रभावित करने की क्षमता है। चंद्रमा पानी और प्राकृतिक शक्तियों से जुड़ा हुआ है,यह एक ढुलमुल ग्रह है जो परिवर्तनों से संबंधित है। चंद्रमा भावनाओं, कल्पना, माता, हृदय, स्मृति, नींद, यात्रा, इच्छा, बचपन, बुद्धि से सम्बंधित है। चंद्रमा व्यक्ति कीइच्छाओं और पसंद से सम्बंधित है।

आपकी कुंडली में चन्द्र ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **तुला**	अंश **07:15:10**	नक्षत्र **स्वाति - 1**
स्वामी **दूसरा भाव**	भाव में **पाँचवा भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / कुमार**

चन्द्र आपकी कुंडली मे सम है

आपके जन्मपत्रिका में चन्द्र पाँचवा भाव में एवं तुला राशि में स्थित है।

आप काफी संवेदनशील और बुद्धिमान व्यक्ति हैं . आप में नेतृत्व के और आम जनता का विश्वास जीतने के गुण विद्यमान हैं . आपकी ज्वलंत कल्पनाशक्ति आपकी सर्जनशीलता को प्रोत्साहित करती हैं. आप अक्सर सपनों की दुनिया में रहते हो . आप में बच्चों का सा खुलापन और शोख़ी है जो दूसरों को बहुत आकर्षित करती है. आप अपने नए विचारों और सिद्धांतों के बल पर दुनिया को मुट्ठी में लेने के लिए तैयार रहते हैं. स्मृतियाँ आपके व्यक्तित्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं.आप एक बहुत ही करिश्माई कलात्मक व्यक्ति हैं; भावनाओं को व्यक्त करने की प्रतिभा आप के अंदर भरी है - फिर चाहे वह अभिनय, प्रदर्शन कला, मनोरंजन अथवा लेखन का क्षेत्र हो .

> " आप में व्यावहारिक समझ का अभाव है; आपके दृष्टिकोण में विलक्षणता झलकती हैं .

कैरियर की दृष्टि से आप एक श्रेष्ठ बाल मनोवैज्ञानिक, अभिनेता, हास्य अभिनेता, भावनात्मक रोमांटिक लेखक, राजनेता, इत्यादि बन सकते हैं .अपना ध्यान अक्सर घरेलू चिंताओं पर केंद्रित रहता है. आप को अपने प्रियजनों से बहुत लगाव है - उनके साथ आप अपने भावुक अनुभवों को बांटते हैं ; उनके बारे में आप

fortune-teller.in

बहुत ज्यादा चिंतित रहते हैं और हर तरह से उनकी सुरक्षा निश्चित करना चाहते हैं. आप को अपने पति या पत्नी से लाभ होगा. बच्चो के साथ आप बहुत जल्दी हिल मिल जाते हो. आपके बच्चें आपके जीवन के भावनात्मक केंद्र हैं. आप अपनी भावनाओं को अक्सर बच्चों, मनोरंजन, या रचनात्मकता के माध्यम से व्यक्त करते हैं.

यद्यपि आपको व्यापार में विशेष सफलता नहीं मिलेगी; लेकिन सरकार की ओर से लाभ तथा सम्मान निश्चित रूप से प्राप्त होंगें .जुए और इश्क़बाजी से दूर रहें. अपने शब्दों पर और आलोचना करने की आदत पर नियंत्रण रखें. अभद्र भाषा का उपयोग न करें . ज्यादा खाने की प्रवृत्ति से सतर्क रहें. यह आपके स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं को जन्म दे सकती है . जन कल्याण के कार्यों में सम्मिलित होना आप के लिए शुभ साबित होगा.

चंद्र मंत्र	**॥ ॐ ऐं क्लीं सोमाय नमः ॥**

fortune-teller.in

ज्योतिष के अनुसार मंगल ग्रह हिम्मत और तानाशाही से सम्बंधित है। मंगल ग्रह को कार्य और विस्तार का ग्रह माना जाता है। मंगल, शक्ति, साहस, क्रोध, दुश्मन, हिंसा, छोटे भाई, बल, मांसपेशियों और वीरता से सम्बंधित है।

आपकी कुंडली में मंगल ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **धनु**	अंश **18:28:58**	नक्षत्र **पूर्व षाढ़ा - 2**
स्वामी **ग्यारहवाँ ,छठा भाव**	भाव में **सातवाँ भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / वृद्ध**

मंगल आपकी कुंडली मे हानिप्रद है

आपके जन्मपत्रिका में मंगल सातवाँ भाव में एवं धनु राशि में स्थित है।

आप व्यवहार से रोमांटिक हैं और आप की इच्छा शक्ति मजबूत है . आप स्वतंत्र विचारक हैं और आप जो चाहते हैं उसके लिए अन्य लोगों को राजी में सफल भी हो जाते हैं . आप अपने सभी व्यवहार में चुनौती और प्रतिद्वन्दता का आनंद लेते हैं . बिक्री, प्रचार तथा मार्केटिंग के क्षेत्रों में आप ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं .रिश्तों से आप को ऊर्जा और उत्तेजना मिलती हैं . आप एक ऐसा सक्रिय जीवन साथी चाहते हैं जो दुनियादारी के व्यवहार में आपकी मदद कर सके, जो आप को चुनौती भरा प्रोत्साहन दे सके; और शायद आप के साथ प्रतिस्पर्धा भी करें . आप को अपने साथी के साथ वाद-विवाद करना बहुत पसंद होगा .

> " आप को नम्रता और कूटनीति विकसित करनी चाहिए वर्ना आप कई लोगों को बेवजह नाराज़ और परेशान कर सकते हैं .

आप के जीवनसाथी के बहुत ही सकारात्मक, सक्षम, साहसी और स्वतन्त्र विचारों वाला होने की संभावना है . संभव हैं की आपको पहली नजर में ही प्यार हो जाए और परिणाम स्वरूप आप अल्प आयु में ही विवाह कर लें . आपकी शादी जाति या समुदाय के बाहर हो सकती है. आपका वैवाहिक जीवन अस्थिर और समस्याग्रस्त रहेगा. आपका उतावलापन, असहिष्णुता और हिंसक मानसिकता ही इसके मुख्य कारण होंगें . आप बैंकिंग या शिक्षा के क्षेत्र, घर की सजावट,

fortune-teller.in

इंजीनियरिंग, भवननिर्माण से संबंधित कार्यों में सफल हो सकते हैं . महिलाओं के साथ साझेदारी न करें .

तेजी से वाहन न चलायें; वर्ना कुछ हड्डियों टूट सकती हैं .आप शुक्राणु दोष, हर्निया, मूत्राशय संबंधित संक्रामक रोगों से पीड़ित हो सकते हैं . पित्त वर्धक भोजन से बचें . पत्नी के स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें . तर्क-वितर्क और बहसबाज़ी से बचने का प्रयास करें. नेत्रहीन लोगों के लिए दान करें .

मंगल मंत्र	॥ ॐ हूं श्रीं भौमाय नमः ॥

fortune-teller.in

बुध बुद्धि और शिक्षा का ग्रह है, यह भाषण और तर्क से सम्बंधित है और इस प्रकार व्यक्ति के संचार कौशल पर इसका प्रभाव पड़ता है। बुध स्मृति, भाषण, राजनीति, व्यापार और व्यापार, मित्रों, मामा, चाचा, भतीजे, दत्तक पुत्र और तर्क से सम्बंधित है।

आपकी कुंडली में बुध ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **मकर**	अंश **10:57:47**	नक्षत्र **श्रावण - 1**
स्वामी **पहला ,चौथा भाव**	भाव में **आठवाँ भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / वृद्ध**

बुध आपकी कुंडली मे सम है

आपके जन्मपत्रिका में बुध आठवाँ भाव में एवं मकर राशि में स्थित है।

आप आकर्षक चेहरे और उत्कृष्ट शारीरिक ऊर्जा के स्वामी हैं. हाँ, दांत खराब हो सकते हैं . आप एक विश्लेषक और रणनीतिकार हैं . आप हर बात में कब, कहां और क्यों की तह तक जाना चाहते हैं . अनुसंधान और विवेचन, वित्त, चिकित्सा, आदि विषयों में आपकी बुद्धि बहुत तेज़ है . आप में जांच-विश्लेषण, कर-निर्धारण, बीमा और जासूसी जैसे कार्यों के लिए भरपूर प्रतिभा है . आप एक आत्म निर्भर व्यक्ति हो जो कठिन प्रयासों से अपनी आजीविका कमाते हैं. अपने विवेक और ईमानदारी की बुनियाद पर आप अपने आप को बहुत जल्द स्थापित करने में सफल रहेंगें . करियर में लगातार परिवर्तन होते रहेंगें .

> आप एक जन्मजात खोजी व्यक्ति हैं .

आय की अस्थिरता आपको चिंतित कर सकती है . परन्तु व्यवसाय के लिए आप भारी कर्ज आसानी से हासिल कर पायेंगें . आप को ससुराल वालों से बहुत सारा समर्थन प्राप्त होगा .आप को अपने विचारों को व्यक्त करने में कठिनाई होती है . जीवन के छोटे छोटे मुद्दे भी आपको परेशान करते हैं . क्रोध, आक्रमकता और पक्षपात करना आपकी कमज़ोरियाँ हैं जो कभी कभी आप के लिए समस्याएं पैदा कर सकती हैं . विवाहेतर संबंधों या स्वास्थ्य समस्याओं के कारण पत्नी

fortune-teller.in

के साथ मतभेद और झगडे हो सकते हैं, जो अलगाव का कारण बन सकता है .आपका मन मृत्यु, काम-वासना, जादू टोना, या मनोवैज्ञानिक घटनाओं जैसे विषयों में व्यस्त रह सकता है .

आप अक्सर भीड़ से पृथक और शांत रहते हैं जिस कारण लोग आप के इरादों को संदिग्ध नज़रिये से देखते हैं .आप किसी न किसी बिमारी से ग्रस्त रह सकते हैं . आप को बचपन से ही स्नायु सम्बंधित तकलीफ हो सकती है . बुखार, खांसी-जुकाम, त्वचा रोग, और अस्थमा आदि समस्याये परेशान करेंगीं . आप को हाथों और पीठ का दर्द हो सकता है .उत्तर की ओर से कटे हुए घर को कभी न खरीदें . अपने कार्यालय / घर में हरे रंग का पेंट न करवाएं . अपने शरीर पर चांदी पहनें .

बुध मंत्र	**॥ ॐ ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नमः ॥**

fortune-teller.in

बृहस्पति को मंत्रि ग्रह माना जाता है जो ज्ञान, खुशी और अच्छे भाग्य से संबंधित है। बृहस्पति धन, ज्ञान, गुरु, पति, पुत्र, नैतिक मूल्यों, शिक्षा, दादा दादी और शाही सम्मान का कारक है। यह धार्मिक धारणा, भक्ति और लोगो के विश्वास को दर्शाता करता है।

आपकी कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **मिथुन**	अंश **07:13:54**	नक्षत्र **आर्द्रा - 1**
स्वामी **सातवाँ ,दसवां भाव**	भाव में **पहला भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / कुमार**

गुरु आपकी कुंडली मे हानिप्रद है

आपके जन्मपत्रिका में गुरु पहला भाव में एवं मिथुन राशि में स्थित है।

आप को आधे सिर का दर्द, आकस्मिक विकार, मानसिक समस्याएं, आदि जैसे रोग हो सकते हैं . आप अक्सर परास्त और थका महसूस करते हैं . दूसरों की आलोचना करने से बचें .आपका आत्मविश्वास आप को एक अच्छा नेता और संस्थापक बना सकता है . आप शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचाइयों तक पहुंच पायेंगें . आपको व्यक्तिगत विकास और विस्तार के लिए कई अवसर प्राप्त होंगें. आप अपनी असाधारण दरियादिली और प्रवीणता के कारण लोगों द्वारा सम्मानित किये जाते हैं .

> " आप को सुबह खली पेट शहद का सेवन करना चाहिए .

आप की आध्यात्मिक अध्ययन में रूचि हो सकती हैं . आप एक अच्छे शिक्षक, प्राचार्य, न्यायाधीश, सलाहकार अथवा आध्यात्मिक गुरु बन सकते हैं . जीवन के हर ८वें वर्ष आपकी वृद्धि या उन्नति होगी - फिर चाहे वह स्वयं के प्रयासों से हो या फिर सरकार अथवा मित्रों के माध्यम से हो .आपके माता-पिता आपको बहुत लाड़ प्यार करेंगें . आप को काफी सारी संपत्ति विरासत में प्राप्त होने की संभावना हैं . आपका वैवाहिक जीवन भी काफी हद तक सफल होगा .

fortune-teller.in

आपके बच्चों को भी समाज में नाम और प्रसिद्धि प्राप्त होगी . आपकी आयु लम्बी होगी. व्यापक रूप से आप स्वस्थ रहेंगें . आप मोटापे, सांस या दिल से संबंधित समस्या, रक्त अशुद्धता, गठिया, यकृत की शिकायत, कमजोर दृष्टि, इत्यादि रोगों से पीड़ित हो सकते हैं. २४वें या २७वें वर्ष में न तो विवाह करें और न ही अपनी कमाई से अपने मकान का निर्माण करवाएं . पीपक का वृक्ष कभी न काटें .

गुरु मंत्र	**॥ ॐ ह्रीं क्लीं हूं बृहस्पतये नमः ॥**

fortune-teller.in

वीनस कामुक सुख और कामुक आवेगों से सम्बंधित है। चमक और जीवन शक्ति का ग्रह होने के नाते भौतिकवाद और मांस के आनंद को दर्शाता है। वीनस को यौन इच्छाओं (काम), कामेच्छा, पत्नी का महत्व का कारक माना जाता है। यह जुनून, विवाह, लक्जरी लेख, गहने, वाहन, आराम और सुंदरता से संबंधित है।

आपकी कुंडली में शुक्र ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि	अंश	नक्षत्र
धनु	28:09:46	उत्तर षाढ़ा - 1
स्वामी	**भाव में**	**अस्त/अवस्था**
बारहवां ,पाँचवा भाव	सातवाँ भाव	नहीं / मृत

शुक्र आपकी कुंडली मे योगकारक है

आपके जन्मपत्रिका में शुक्र सातवाँ भाव में एवं धनु राशि में स्थित है।

आप विचारवान, संवेदनशील और दरियादिल हैं. आप सुडौल आकृति वाले मनोहर व्यक्ति हैं . सामंजस्य का होना आपके लिए बहुत अधिक महत्वपूर्ण है . आप अक्सर अपने से पहले दूसरों की समस्याओं को निपटाने में लग जाते हैं . आप सभी के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करते हैं . आप न्याय और संतुलन प्रिय हैं. आप आकर्षक व्यक्तित्व युक्त वक्ता हैं . आप अकेले काम करने की तुलना में दूसरों के साथ काम करना पसंद करते हैं . आप एक मिलनसार व्यक्ति हैं; आप को अकेले रहना नापसंद है .

> " आप रिश्तों के लिए जीते हैं .

औपचारिक रूप से, आप किसी से भी कोई मनमुटाव न रखते हुए सभी के साथ शांतिपूर्ण संबंधों की इच्छा रखते हैं .एक घनिष्ठ प्रेम या वैवाहिक संबंध आपके जीवन को सार्थक, खुशहाल और संतुष्ट करने के लिए आवश्यक है . जीवन साथी के रूप में आप बहुत ही आकर्षक हैं . आप अपने रिश्ते में हर तरह की समृद्धि और सुंदरता चाहते हैं . आप को एक सम्पूर्ण और दोषहीन रिश्ते की तलाश रहती है और अपने साथी की मामूली खामियों के प्रति अतियुक्त प्रतिक्रिया कर बैठते

fortune-teller.in

हैं . आपका जीवन साथी देखने में सुन्दर होगा . आपका वैवाहिक जीवन सुखद और खुशाल रहेगा . शादी के उपरांत सर्वांगीण विकास संभव है.विवाह से सम्बंधित व्यापार या कारोबार आपके लिए उपयुक्त रहेंगें जैसे कि दुलहन का साज सामान, मैरिज ब्यूरो, इवेंट मैनेजमेंट, डेकोरेशन, ब्यूटी पार्लर का काम, इत्यादि .

आप एक जौहरी या वित्तीय सलाहकार के रूप में काम कर सकते है . व्यावसायिक साझेदारी आप के लिए अनुकूल, लाभदायक और सुसंगत रहेगी .आप टी बी या गुप्तांग के रोग से पीड़ित हो सकते है . शादी के बाहर अवैध संबंधों से दूर रहें .दूसरों से अधिक अपेक्षा न रखें . चोरों से सावधान रहें . वाहन से दुर्घटनाओं से बचें . गायों की सेवा करना आपके लिए शुभ रहेगा.

शुक्र मंत्र	**॥ ॐ ह्रीं श्रीं शुक्राय नमः ॥**

fortune-teller.in

शनि एक धीमी गति का ग्रह है। इसे न्याय, तर्क और विनाशकारी शक्तियों का ग्रह कहा जाता है। यह आपदाओं और मृत्यु से संबंधित है। शनि को एक शिक्षक के रूप में भी माना जाता है। शनि लंबी उम्र से सम्बंधित है। यह देरी, अवरोध, दु: ख, नुकसान, चोरी, बुढ़ापे, दु: ख, प्रतिकूलता और आजादी सेसम्बंधित है।

आपकी कुंडली में शनि ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **धनु**	अंश **27:03:53**	नक्षत्र **उत्तर षाढ़ा - 1**
स्वामी **आठवाँ ,नौवां भाव**	भाव में **सातवाँ भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / मृत**

शनि आपकी कुंडली मे undefined है

आपके जन्मपत्रिका में शनि सातवाँ भाव में एवं धनु राशि में स्थित है।

आप एक अनासक्त व्यक्ति हैं . आप एकांकी जीवन जीना पसंद करते हैं . आप कभी कभी बहुत ही आलसी हो जाते है . आपके रिश्तों में प्रतिबंध, अवसाद और चिंता की भावनायें उपस्थित हो सकती है . आप को दूसरों के साथ सहयोग करने और उनके प्रति उदार रहने की जरूरत है .आप व्यवसाय में समृद्धि प्राप्त करेंगें . अपने पेशे में, आप बहुत ऊंचाइयों तक जायेंगें और धन भी अर्जित करेंगें . लेकिन ध्यान रखें, कोई भी गलत कदम आपके कैरियर या व्यवसाय का अंत कर सकता है .

> " आप अपने जन्मस्थान से दूर रहेंगें, तो आपका भाग्य चमकेगा.

आप को निश्चित रूप से नकली गहने या नकली सोने के उत्पादों से जुड़े काम में बड़ी सफलता प्राप्त होगी . लाभ प्राप्त करने के लिए कपट और ठगी से दूर रहें . व्यसनों के कारण धन की हानि हो सकती है . आपके साझेदार अक्सर प्रौढ़ और गंभीर व्यक्ति होते हैं . भागीदारी में आपको अधिक जिम्मेदारी और कड़ी मेहनत से काम करना होगा .विवाह के बारे में आप सतर्क रहते हैं . विवाहित जीवन में असंतोष और कष्ट का अनुभव हो सकता है . आपकी राय में, आपका जीवन

fortune-teller.in

साथी बहुत बुद्धिमान नहीं है; इसी कारण आपके अपने पति या पत्नी के साथ तनावपूर्ण संबंध हो सकते है .

आपका जीवनसाथी एकांतप्रिय, निरुत्साही और संकीर्ण तथा आलोचनात्मक दृष्टिकोण वाला हो सकता है . आपके पति/पत्नी को जोड़ों में दर्द या सिर दर्द से संबंधित कुछ स्वास्थ्य समस्या हो सकती हैं . हो सकता है कि आप शादी के बाहर संबंध तलाशें . शादी आपको सुरक्षितता का एहसास प्रदान करती हैं . आपको अपने रिश्तों में अनुशासन की जरूरत है . महिला जातको में पिता तुल्य व्यक्ति से विवाह करने की अवचेतन इच्छा हो सकती है . विधवा या विधुर से विवाह होना संभव है.किसी एकांत स्थान पर चीनी से भरी एक बांस की छड़ी गाढने से वैवाहिक और व्यवसायिक समस्याओं से आपको तत्काल राहत मिलेगी .

शनि मंत्र	**॥ ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नमः ॥**

fortune-teller.in

अजीब और अपरंपरागत ग्रह होने के कारण राहु भौतिकवाद से सम्बंधित है और कठोर वाणी, कमी और इच्छा से सम्बंधित है। राहु को ट्रान्सेंडेंटलिज्म का ग्रह कहा जाता है। यह विदेशी भूमि और विदेशी यात्रा से सम्बंधित है।

आपकी कुंडली में राहु ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि	अंश	नक्षत्र
मकर	**22:19:58**	**श्रावण - 4**
स्वामी	भाव में	अस्त/अवस्था
चौथा भाव	**आठवाँ भाव**	**नहीं / कुमार**

आपके जन्मपत्रिका में राहु आठवाँ भाव में एवं मकर राशि में स्थित है।

आप आलसी हैं और आप को सोते रहना बहुत पसंद है. आप बिना किसी उद्देश्य के घूमने का शौक भी रखते हैं . आप को नित नए प्रयोग करना बेहद पसंद है . आप जीवन के बारे में गंभीर नहीं हैं; आप चीज़ों को हल्के में लेते हैं . आप को अपने जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है .आप एक चिकित्सक या सर्जन बन सकते हैं या चिकित्सा के किसी भी क्षेत्र में कैरियर बना सकते हैं . आप कमीशन आधारित दलाली का काम, डीलरशिप/बिक्री, बीमा, शेयर आदि संबंधित व्यवसायों में सफल हो सकते हैं . हालांकि आप के कैरियर में निरंतर बदलाव होते रहेंगें .

> " आप की भाषा अभद्र और अपमानजनक हो सकती है .

आप बड़े उत्साह के साथ कई काम शुरू तो कर देते हैं; लेकिन उन्हें पूरा करने में असमर्थ रहते हैं . कभी बिजली या विद्युत विभाग में काम न करें.आप का जीवन लंबा होगा; परन्तु आप खराब स्वास्थ्य या दुर्घटनाओं से प्रभावित हो सकते हैं . आप यौन रोग, बवासीर, सिर दर्द, लकवा, या असाध्य रोगों से पीड़ित हो सकते हैं . आप ऐसी जटिल बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं, जिन का निदान करना मुश्किल हो . इसलिए अपनी सेहत का बहुत ख्याल रखें . नियमित स्वास्थ्य जांच करना अच्छा होगा .जब तक आप के पास धन और नाम है तब तक आपके रिश्तेदार आपको प्यार और सम्मान देंगें .

वैवाहिक सुख में कमी होगी . आप को संपत्ति के मामलों या पारिवारिक विवाद के कारण अदालत में जाना पड़ सकता है . समाज विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण आप को जेल भी हो सकती है .आप को उपहार, विरासत और पैत्रिक सम्पत्ति से कई लाभ होंगे . जीवन में कम से कम एक बार भाग्य आप को ऊंचाइयों तक जरूर पहुंचाएगा .आप को उपहार, विरासत और पैत्रिक सम्पत्ति से कई लाभ होंगे . जीवन में कम से कम एक बार भाग्य आप को

fortune-teller.in

ऊंचाइयों तक जरूर पहुंचाएगा .

राहु मंत्र	॥ ॐ ऐं ह्रीं राहवे नमः ॥

fortune-teller.in

केतु मोक्ष, पागलपन का ग्रह है। यह आध्यात्मिकता से सम्बंधित है। केतु रहस्यमय, भ्रामक, गुप्त और पेचीदा ग्रह है। केतु दर्द, रहस्य, गुप्त विज्ञान, उदासीनता, दर्शन, अलगाव और कारावास का प्रतीक है।

आपकी कुंडली में केतु ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि	अंश	नक्षत्र
कर्क	22:19:58	अश्लेषा - 2
स्वामी	भाव में	अस्त/अवस्था
दसवां भाव	दूसरा भाव	नहीं / कुमार

आपके जन्मपत्रिका में केतु दूसरा भाव में एवं कर्क राशि में स्थित है।

आप एक सभ्य व्यक्ति हैं . आप बहुत तेज और बुद्धिमान हैं . तीव्र महत्त्वाकांक्षा, दृढ़ता और कड़ी मेहनत ही आपकी ताकत हैं . आप बहुत आसानी से दूसरों पर भरोसा कर लेते हैं . आप का मन अस्थिर रहता है; आप जल्दी से अपने फैसले बदल सकते हैं . आप गुस्से में अभद्र भाषा का उपयोग करते हैं. भले ही आप दिल के अच्छे हो, आपकी कठोर भाषा की वजह से आप को गलत समझा जा सकता है . आपकी वाणी या बोलने की शैली में कुछ समस्या हो सकती है. आप एक झगड़ालू व्यक्ति हो सकते हैं . आप को वित्तीय उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है .

> आप अपने शब्दों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं और किसी भी कीमत पर अपने वादों को पूरा करते हैं .

अच्छी आय के बावजूद, आप अपनी वित्तीय स्थिति से संतुष्ट नहीं होते . आप को अनेक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं . सफलता आपके जीवन में थोड़ा देर से आती है . आप को धोखाधड़ी या छल के कारण नुकसान भुगतना पड़ सकता है . आप को सोलह या बीस की आयु में कोई गंभीर समस्या हो सकती है .आप को अपनी शिक्षा प्राप्ति में अवरोधों का सामना करना पड़ सकता हैं . आपको आध्यात्मिक गतिविधियों, नौका परिवहन, जल पर्यटन, कला और चिकित्सा पेशे में सफलता मिलेगी. आप बैंकिंग, बीमा, यात्रा-पर्यटन, विक्रय कला व विदेशी व्यापार जैसे व्यवसायों के लिए अनुकूल हैं . आप घर से दूर किसी जगह में यशस्वी होंगें .पारिवारिक जीवन तनाव से भरा होगा .

परिवार में विवाद हो सकते हैं. आप को परिवार के सदस्यों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है. आपकी पत्नी एक सम्मानजनक परिवार से आयेंगीं .

fortune-teller.in

ससुरालवालों के साथ आपके संबंध बहुत मजबूत होंगें.आप आंख और मुंह की बीमारियों, पीलिया, आदि से पीड़ित हो सकते हैं . आप गले और दंत समस्याओं से ग्रस्त हो सकते हैं . दूध और दूध उत्पादों का व्यापार न करें . अपने चरित्र को स्वच्छ और शुद्ध रखें . दोना पावों के अंगुठे में सफेद धागा बाधँ कर रखें .

केतु मंत्र	॥ ॐ ह्रीं ऐं केतवे नमः॥

fortune-teller.in

Welcome to Fortune-Teller, your number one source for latest fashion. We're dedicated to giving you the very best of products, with a focus on dependability, customer service. Fortune-Teller is India's leading online shopping store offering latest products from leading brands across country at best prices.

FORTUNE TELLER

https://www.fortune-teller.in
support@fortune-teller.in
+91 6267124400